* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

06 अगस्त, 2025
श्रावण, शुक्ल पक्ष, द्वादशी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
बुधवार, वर्ष 10, अंक 287

गुरुजी को अंतिम विदाई देने उमड़ा हर आम और खास

अनंत यात्रा पर झारखंड के 'योद्धा'

नेमरा में राजकीय सम्मान के साथ किया गया गुरुजी का अंतिम संस्कार

- अश्रुपूर्ण नेत्रों से दी गयी विदाई, पुत्र हेमंत सोरेन ने दी मुखाग्नि
- रांची से नेमरा तक जिसे जहां लगा मौका गुरुजी को किया नमन
- विधानसभा में राज्यपाल और विधायकों ने दी श्रद्धांजलि
- खड़गे, राहुल, तेजस्वी, संजय सिंह समेत अन्य नेता हुए शामिल
- अंतिम दर्शन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा

बीरू कुमार/अंजनी कुमार

रांची/रामगढ़/नेमरा (आजाद सिपाही)। झारखंड के 'योद्धा' दिशोम गुरु शिबू सोरेन मंगलवार को अनंत यात्रा पर चले गये। पूरे राजकीय सम्मान और आदिवासी परंपरा के साथ रामगढ़ स्थित पैतृक गांव नेमरा में उनका अंतिम संस्कार किया गया। पुत्र सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुखाग्नि दी। गुरुजी के अंतिम दर्शन के लिए नेमरा में जनसैलाब उमड़ पड़ा। सभी ने नम आंखों से अपने नेता को अंतिम विदाई दी। उनके अंतिम दर्शन में केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव, आप सांसद संजय सिंह समेत देश के कई जाने-माने नेता शामिल हुए। इससे पहले मंगलवार सुबह गुरुजी के पार्थिव शरीर को उनके मोरहाबादी आवास से विधानसभा लाया गया। यहां राज्यपाल संतोष गंगावर, विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो के अलावा सासंदों, विधायकों, राजनीतिक दलों के नेताओं, झारखंड के अधिकारियों और कर्मियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

बताते चलें कि गुरुजी का सोमवार को दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में निधन हुआ था। सुबह करीब 8.30 बजे खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा 'दिशोम गुरु हम सभी को छोड़कर चले गये हैं। आज मैं शून्य हो गया हूं।' राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत अन्य नेतागण अस्पताल पहुंच कर गुरुजी को श्रद्धांजलि दी और हेमंत सोरेन का ढाढ़स बंधाया। सोमवार शाम करीब 7.30 बजे गुरुजी के पार्थिव शरीर को दिल्ली से रांची लाया गया। पार्थिव शरीर को रात में उनके मोरहाबादी आवास पर रखा गया था। मंगलवार को सुबह करीब दस बजे पार्थिव शरीर को विधानसभा लाया गया, फिर वहां से रामगढ़ स्थित नेमरा गांव ले जाये गया। जहां अंतिम संस्कार हुआ।

शाम करीब 4.30 बजे मुखाग्नि: नेमरा गांव में गुरुजी के पुत्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस मौके पर लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, मंत्री योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य कुमार, दीपिका पांडेय सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, मिथिलेश ठाकुर, बेबी देवी, योगेंद्र साव, बेरमो विधायक अनूप सिंह, रामगढ़ विधायक ममता देवी, मथुरा महतो, राजेश कच्छप, पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो, बिरंची नारायण, अंबा प्रसाद, अर्जुन राम, झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य, प्रवक्ता विनोद पांडेय, विनोद किस्कू, चित्रगुप्त महतो, आलम अंसारी सहित राज्यभर से विभिन्न राजनीतिक दलों के सैकड़ों प्रमुख नेता और हजारों लोग मौजूद थे।

विधानसभा में दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

मंगलवार सुबह करीब 10 बजे मोरहाबादी आवास से गुरुजी अंतिम यात्रा पर रवाना हुए। उनके पार्थिव शरीर को झारखंड विधानसभा लाया गया। यहां विशिष्ट लोगों और अधिकारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। यहां गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मौके पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, केंद्रीय मंत्री जुम्मेल उरांव, अन्नपूर्णा देवी संजय सेठ समेत झामुमो, भाजपा और कांग्रेस के कई विधायक और झारखंड सरकार के मंत्री मौजूद के अलावा अधिकारी, कर्मचारी और भारी संख्या में अन्य लोग मौजूद थे।

'अमर रहे शिबू' से गूंजा वातावरण

विधानसभा से करीब 12 बजे नेमरा गांव के लिए यात्रा शुरू हुई। रांची से रामगढ़ तक सड़क के दोनों ओर लोग खड़े दिखे। सभी ने नम आंखों से गुरुजी को विदा किया। रास्ते में जगह-जगह फूल बरसाये गये। दिशोम गुरु के पार्थिव शरीर पर पुष्प उछाल कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। पूरा रास्ता 'शिबू सोरेन अमर रहे' के नारे से गुंजायमान रहा। नेमरा में जनसैलाब उमर पड़ा था। पूरा गांव गम में डूबा हुआ था। हर किसी की आंखें नम थीं। दोपहर करीब 2.30 बजे गुरुजी का पार्थिव शरीर नेमरा पहुंचा।

झलका दर्द, फूट-फूट कर रोये सभी, कल्पना ने रूपी सोरेन को संभाला

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर उनके पैतृक आवास से पारंपरिक रीति-रिवाजों को पूरा करने के बाद बाहर निकाला गया। गुरु जी के दोनों पुत्र हेमंत सोरेन और बसंत सोरेन समेत अन्य परिजनों ने मिलकर पार्थिव शरीर को आवास से बाहर निकाला। शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर को जब घाट पर ले जाने की तैयारी चल रही थी, उससे पहले पत्नी रूपी सोरेन फफक कर रो पड़ीं। बहू कल्पना सोरेन रोते हुए उन्हें संभाल रही थीं। वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन फूट-फूट कर रो पड़े। बसंत सोरेन, सीता सोरेन समेत परिवार के अन्य सदस्य हों या फिर वहां मौजूद गांव के लोग, सभी की आंखों से आंसू निकल आये।

घाट पर शव पहुंचते ही रो पड़ा आसमान

पैतृक गांव नेमरा घाट पर जैसे ही शव लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पहुंचे, आसमान भी रो पड़ा। झारखंड की अस्मिता की लड़ाई लड़ने वाले लाल को प्रकृति ने भी अंतिम विदाई दी। श्मशान घाट पर जैसे ही शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर रखा गया झमाझम बारिश शुरू हो गयी। ऐसा लगा अपने इस लाल के निधन पर आसमान भी रो रहा है।

धान के खेत में बनाया गया रास्ता : दिशोम गुरु शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार गांव के ही बड़की नाला तट पर हुआ। घर से लगभग 600 मीटर की दूरी पर स्थित श्मशान घाट में जाने के लिए रास्ते भी बनाये गये थे। कई खेतों में फसल को हटाकर नेमरा के लोगों ने रास्ता बनाया, ताकि बाबा को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जा सके।

दर्शन के लिए उमड़ी भीड़

रामगढ़ जिले में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की शव यात्रा काफी लंबी रही। जैसे ही रामगढ़ जिले में शव वाहन ने प्रवेश किया, लोग उनके दर्शन के लिए पीछे-पीछे भागने लगे। मुख्यमंत्री का भावुक चेहरा देख हर कोई और भी गमगीन हो जा रहा था। जिस पिता के साये में हेमंत सोरेन ने ना सिर्फ राजनीति सीखी, बल्कि झारखंड को एक अलग पायदान पर लेकर गये, आज हेमंत सोरेन के सिर से पिता का साया उठा, तो रामगढ़ जिलावासी भी खुद को अनाथ ही समझने लगे। जिलावासी शिबू सोरेन को अपने पिता समान ही मानते थे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट

आपका वचन निभाउंगा...

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार सुबह सोशल मीडिया पर पिता गुरुजी को लेकर कविता के रूप में एक भावुक पोस्ट किया। उस पोस्ट को हू-ब-हू प्रकाशित किया जा रहा है।

मैं अपने जीवन के सबसे कठिन दिनों से गुजर रहा हूं।
मेरे सिर से सिर्फ पिता का साया नहीं गया,
झारखंड की आत्मा का स्तंभ चला गया।
मैं उन्हें सिर्फ 'बाबा' नहीं कहता था
वे मेरे पथप्रदर्शक थे, मेरे विचारों की जड़ें थे,
और उस जंगल जैसी छाया थे
जिसने हजारों-लाखों झारखंडियों को
धूप और अन्याय से बचाया।
मेरे बाबा की शुरुआत बहुत साधारण थी।
नेमरा गांव के उस छोटे से घर में जन्मे,
जहां गरीबी थी, भूख थी, पर हिम्मत थी।
बचपन में ही उन्होंने अपने पिता को खो दिया
जमींदारी के शोषण ने उन्हें एक ऐसी आग दी
जिसने उन्हें पूरी जिंदगी संघर्षशील बना दिया।
मैंने उन्हें देखा है
हल चलाते हुए,
लोगों के बीच बैठते हुए,
सिर्फ भाषण नहीं देते थे,
लोगों का दुःख जीते थे।
बचपन में जब मैं उनसे पूछता था:
'बाबा, आपको लोग दिशोम गुरु क्यों कहते हैं?'
तो वे मुस्कुराकर कहतेः

'क्योंकि बेटा, मैंने सिर्फ उनका दुख समझा
और उनकी लड़ाई अपनी बना ली।'
वो उपाधि न किसी किताब में लिखी गयी थी,
न संसद ने दी -
झारखंड की जनता के दिलों से निकली थी।
'दिशोम' मतलब समाज,
'गुरु' मतलब जो रास्ता दिखाये।
और सच कहूं तो
बाबा ने हमें सिर्फ रास्ता नहीं दिखाया,
हमें चलना सिखाया।
बचपन में मैंने उन्हें सिर्फ संघर्ष करते देखा, बड़े बड़ों से टक्कर लेते देखा
मैं डरता था
पर बाबा कभी नहीं डरे।
वे कहते थे
'अगर अन्याय के खिलाफ खड़ा होना अपराध है,
तो मैं बार-बार दोषी बनूंगा।'
बाबा का संघर्ष कोई किताब नहीं समझा सकती।
वो उनके पसीने में, उनकी आवाज में,
और उनकी चप्पल से ढकी-फटी एड़ी में था।
जब झारखंड राज्य बना,
तो उनका सपना साकार हुआ
पर उन्होंने कभी सत्ता को उपलब्धि नहीं माना।
उन्होंने कहाः
'ये राज्य मेरे लिए कुर्सी नहीं
यह मेरे लोगों की पहचान है।'
आज बाबा नहीं हैं,
पर उनकी आवाज मेरे भीतर गूंज रही है।
मैंने आपसे लड़ना सीखा बाबा, झुकना नहीं।
मैंने आपसे झारखंड से प्रेम करना सीखा
बिना किसी स्वार्थ के।
अब आप हमारे बीच नहीं हो,
पर झारखंड की हर पगडंडी में आप हो।
हर मांदर की थाप में,
हर खेत की मिट्टी में,
हर गरीब की आंखों में आप झांकते हो।
आपने जो सपना देखा
अब वो मेरा वादा है।
मैं झारखंड को झुकने नहीं दूंगा,
आपके नाम को मिटने नहीं दूंगा।
आपका संघर्ष अधूरा नहीं रहेगा।
बाबा, अब आप आराम कीजिए।
आपने अपना धर्म निभा दिया।
अब हमें चलना है
आपके नक्शे-कदम पर।
झारखंड आपका कर्जदार रहेगा।
मैं, आपका बेटा,
आपका वचन निभाऊंगा।
वीर शिबू जिंदाबाद - जिंदाबाद, जिंदाबाद
दिशोम गुरु अमर रहें।
जय झारखंड, जय जय झारखंड।

A PIONEER GROUP OF NORTHERN INDIA, STREAMING IN JHARKHAND

SAI NATH UNIVERSITY

Established in 2012

Established under Jharkhand Govt. Act No. 15 of 2012 & Recognized as per Section 2 (f) of UGC Act, 1956

APPROVALS: Established under Jharkhand Govt. Act. No. 15 of 2012 | Recognized under section 2 (f) of UGC Act. | Member of AIU | App. by NCTE for Education Programme | App. by PCI for D.Pharma | App. by BCI for Law Programme | Approved by INC

Admission 2025-26

पॉलिटेक्निक
Diploma Engineering : Approved by AICTE

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	B.Tech. Mining	4 Yrs.	10+2
2.	Diploma in Engg.	3 Yrs.	10th
3.	Diploma Engg. (Lateral)	2 Yrs.	10+2 with Math / ITI

• MINING ENGG • ELEC. ENGG. • MECH. ENGG. • CIVIL ENGG.

EDUCATION PROGRAMME
(Approved by NCTE)

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	D.El.Ed./PTT	2 Yrs.	10+2
2.	M.Ed.	2 Yrs.	B.Ed.
3.	B.Ed.-M.Ed.	3 Yrs.	Post Graduation
4.	B.Ed.*	2 Yrs.	Graduation

* (Entrance: Jharkhand Combined)

MANAGEMENT/COMPUTER

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	MBA	2 Yrs.	Graduation
2.	BBA	3 Yrs.	10+2
3.	BCA	3 Yrs.	10+2

PHYSICAL EDUCATION
(Approved by NCTE)

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	B.P.Ed.	2 Yrs.	Bachelor Degree
2.	D.P.Ed.	2 Yrs.	10+2

PHARMACY/ NURSING/ PARAMEDICAL

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	B.Sc Nursing	4 Yrs.	10+2 (PCB)
2.	B-Pharmacy	4 Yrs.	10+2 with Science.
3.	D-Pharmacy	2 Yrs.	10+2 with Science.
4.	B.Sc. MLT	3 Yrs.	10+2 (In Any Stream)
5.	ANM	2 Yrs.	10+2 (In Any Stream)
6.	GNM	3 Yrs.	10+2 (In Any Stream)

LAW PROGRAMME (Approved by BCI)

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	LL.M.	2 Yrs.	LL.B
2.	LL.B. (Hons.)	3 Yrs.	Graduation
3.	B.A. - LL.B. (Hons.)	5 Yrs	10+2

Students selected in Judiciary services of different states

AGRICULTURE

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	B.Sc. Agriculture (Hons.)	4 Yrs.	10+2 with Science
2.	M.Sc. Agriculture	2 Yrs.	B.Sc. Agriculture

Sai Nath University having NCC Unit. In Campus Separate Boys & Girls Hostel

Campus : Jirawar, Chandway-Kuchu Road, Ormanjhi, Ranchi (Jharkhand)

7970408015, 7461073943, 9798354837, 7004836620, 6204313818

E-mail: sainathuniversity@ymail.com , Website: www.sainathuniversity.com

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 06 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in

जंगल से संसद तक झारखंड की आवाज बने शिबू सोरेन

■ अपने खून-पसीने से लिखी झारखंड आंदोलन की बेमिसाल कहानी
■ इसलिए शिबू सोरेन को झारखंड का 'नेल्सन मंडेला' भी कहा जाता है
■ झारखंड की सियासत में उनकी कमी को भावी पीढ़ियां महसूस करेंगी

आजाद सिपाही विशेष

भारत के राजनीतिक इतिहास में झारखंड आंदोलन दरअसल आदिवासी पहचान की वह कहानी है, जिसे दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने खून-पसीने से लिखा। 11 जनवरी 1944 को रामगढ़ के नेमरा गांव में जन्मे शिबू सोरेन ने बचपन में साहूकारों की लूट देखी, खनन कंपनियों का लालच देखा। 10 बार सांसद, तीन बार मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री और उससे भी बढ़ कर उन्होंने तीर-कमान से नहीं, बल्कि संघर्ष और अपनी सियासी चालों से आदिवासियों को उनका हक दिलाया। अलग झारखंड का सपना देखने वाले कई लोग थे, पर उसे सच करने वाला सिर्फ एक नाम था—दिशोम गुरु। लोग कहते हैं, गुरुजी सिर्फ नेता नहीं थे, आंदोलन की आत्मा थे। उनके समर्थकों के लिए वे एक विचार थे, एक प्रतिरोध की पहचान। नेमरा के छोटे से घर से निकल कर जंगलों के रास्ते लोकतंत्र के बियाबान मुंडेरों तक का शिबू सोरेन का सफर कहीं से भी आसान नहीं रहा और होना भी नहीं था। किसी आंदोलन को कुछ समय तक नेतृत्व देना आसान होता है, लेकिन किसी आंदोलन को तीन दशक तक नेतृत्व देना और फिर किसी औघड़ की तरह सब कुछ त्याग कर उसी जनता के पास लौट जाना बेहद कठिन होता है। दुनिया के राजनीतिक इतिहास में ऐसा करनेवाले तीन ही शख्स हुए हैं। महात्मा गांधी, नेल्सन मंडेला और शिबू सोरेन। इसलिए शिबू सोरेन को 'झारखंड का नेल्सन मंडेला' भी कहा जाता है। शिबू सोरेन ने झारखंड आंदोलन को वह आवाज दी, जिसकी कल्पना भी किसी ने नहीं की थी। आदिवासी चेतना को उन्होंने न केवल जगाया, बल्कि उसे उसका अधिकार दिलाया। इसलिए आज दुनिया भर के आदिवासी झारखंड के आदिवासियों से प्रेरणा लेते हैं। शिबू सोरेन के व्यक्तित्व के इस असाधारण पहलू के बारे में बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

शिबू सोरेन 'झारखंड के नेल्सन मंडेला' और भारत वर्ष में आदिवासी समुदाय के सबसे बड़े नेता के रूप में याद किये जायेंगे। उन्होंने झारखंड राज्य की परिकल्पना की। झारखंडी संस्कृति, अस्मिता और पहचान को राजनीतिक धरातल पर उतारा। झारखंड के राजनीति क्षितिज पर उभरे शिबू सोरेन की संघर्ष गाथा एक छोटे से गांव नेमरा के अत्याचारी और आततायी सूदखोरों और महाजनों के शोषण, उत्पीड़न और दोहन के विरोध से शुरू हुई। वह चिंगारी, जो नितांत स्थानीय स्तर पर अन्याय और शोषण के खिलाफ प्रस्फुटित हुई। प्रतिकूलताओं से लड़ने-जूझने और सामाजिक, आर्थिक समस्याओं से टकराने का जज्बा बालक शिबचरण मांझी को काफी अल्प आयु में प्राप्त हुआ, जब उनके शिक्षक पिता सोबरन मांझी की हत्या समाज के दबंग ठेकेदार, सूदखोर और महाजनों द्वारा कर दी गयी। संघर्ष के दिनों में बालक शिबचरण मांझी का नाम शिबू सोरेन में बदल गया।

छोटी शुरुआत, लेकिन सिस्टम को बड़ी चुनौती

भारतीय राजनीति में झारखंड आंदोलन दरअसल आदिवासी पहचान की वह कहानी है, जिसे दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने अपने खून-पसीने से लिखा। 11 जनवरी 1944 को रामगढ़ के नेमरा गांव में जन्मे शिबू सोरेन ने बचपन में साहूकारों की लूट देखी, खनन कंपनियों का लालच देखा। 1969 का अकाल, जब सरकारी गोदामों में अनाज सड़ रहा था और आदिवासी भूख से मर रहे थे, ने उनके भीतर ज्वाला भर दी। उन्होंने कसम खायी—जल, जंगल, जमीन की लड़ाई लड़ी जायेगी। नेमरा (रामगढ़) की गलियों से उठी उनकी आवाज ने 1960-70 के दशक में आवाम को झकझोरा। जब धनकटनी आंदोलन शुरू हुआ, तब आदिवासी महिलाएं खेतों से धान काट कर ले जाती थीं, पुरुष तीर-कमान लिये पहरे पर खड़े रहते थे। पर सिस्टम भी था—सरेंडर, गिरफ्तारी, गिरफ्तारी वारंट तक जारी। शिबू सोरेन की शुरुआत छोटी थी, पर असर बड़ा। धान जब्ती आंदोलन से शिबू सुर्खियों में आये। साहूकारों के गोदामों से अनाज निकालना, तीर-कमान लिये आदिवासी पहरेदारों का पहरा—यह केवल विरोध नहीं था, यह सिस्टम को सीधी चुनौती थी।

ऐसे बनी नयी पहचान

एक दिन शिबू सोरेन पारसनाथ के जंगलों में छिप गये। वहीं से आंदोलन चला—'बाहरी' लोगों को निकालो, कझारखंड को शोषण से मुक्त करोत। सपनों के इस आंदोलन ने उन्हें 'दिशोम गुरु' की पहचान दी। 1973 में उन्होंने एके राय और बिनोद बिहारी महतो के साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा बनायी। उस समय उनके नारे गूंजते थे 'हमारी जमीन हमारी है, कोई दीकु (बाहरी) नहीं छीन सकता।' इसके साथ ही झारखंड आंदोलन तेज होने लगा।

झामुमो की स्थापना की और उसे जिंदा रखा

उस समय झामुमो का बनना कोई आसान बात नहीं थी। राजनीतिक विरोध, विभाजन और मानसिक खींचतान के बीच उन्होंने पार्टी को जीवंत रखा। तब लालू यादव ने 1998 में कहा था, झारखंड मेरी लाश पर ही बनेगा। लेकिन शिबू सोरेन ने सभी विरोधों को पार करते हुए, कांग्रेस, राजद और भाजपा से गठबंधन बनाया और बातचीत से राज्य का मामला संसद तक पहुंचाया।

राजनीति के शतरंज में माहिर खिलाड़ी

शिबू सोरेन ने समझ लिया था कि झारखंड का सपना सिर्फ जंगलों में धरना देकर पूरा नहीं होगा। इसके लिए दिल्ली की सत्ता के दरवाजे खोलने होंगे। और यही उन्होंने किया। 1989 में वीपी सिंह की सरकार को समर्थन, 1993 में नरसिंह राव को अविश्वास मत से बचाना, फिर 1999 में वाजपेयी की एनडीए सरकार से डील—शिबू हर बार सही मोड़ पर सही दांव खेलते रहे। कहा जाता है कि गुरुजी का भरोसा सिर्फ लिखित वादों पर था, शब्दों पर नहीं। और हुआ भी वही। 15 नवंबर 2000 को बिहार से अलग होकर झारखंड बना। जयपाल सिंह मुंडा ने आंदोलन की शुरुआत की थी, लेकिन उसे मंज़िल तक पहुंचाने वाला नाम था शिबू सोरेन।

कॉरपोरेट से जंग, जीती भी, हारी भी

शिबू सोरेन की राजनीति का मूल था—आदिवासी पहचान और जल-जंगल-जमीन की रक्षा। उन्होंने सरहुल जैसे त्योहारों को विरोध का मंच बनाया। खदान मजदूरों को संगठित किया और खनन कंपनियों की नाक में दम किया। उनकी पहल पर पेसा कानून आया, जिसने ग्राम सभाओं को जमीन पर फैसला लेने का अधिकार दिया। 2006 का वन अधिकार कानून भी उनकी जिद का नतीजा था। सरहुल जैसे त्योहारों को विरोध-अवसर में बदला, कंपनियों की चौकी को बाधित किया। लेकिन फिर भी व्यापार-शक्ति रास्ते में आयी कॉरपोरेट का कॉकस नहीं टूटा। खनिज संपदा पर कंपनियों की पकड़ कायम रही। झारखंड से अरबों का कोयला और लौह अयस्क दिल्ली तक गया, पर गांवों तक सिर्फ गरीबी पहुंची। यही विडंबना है। झारखंड अलग राज्य तो बना, पहचान मिली, पर आर्थिक न्याय अब भी अधूरा है।

चिरूडीह कांड ने बनाया महानायक

संताल परगना का चिरूडीह कांड संथाल विद्रोह की ही एक क्रांति की अभिव्यक्ति था। इसी के बाद शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के महानायक बन गये। 23 जनवरी 1975 को चिरूडीह कांड हुआ, जिसके बाद शिबू सोरेन ने जो विद्रोह का बिगुल बजाया, उसका नतीजा है कि संतालों की जमीन महाजनों के कब्जे से मुक्त हो गयी। दो फरवरी 1979 को दुमका में पहली प्रमंडलीय स्तर की रैली आयोजित की गयी। इस रैली में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर ने स्वयं दुमका आकर शिबू सोरेन के साथ मंच साझा किया। कर्पूरी ठाकुर ने अपने संबोधन में शिबू सोरेन को आदिवासियों का महान नेता कहा था।

मुकदमे, सजा और जनता का अटूट विश्वास

दिशोम गुरु का सफर सियासत और मुकदमों की सफेद-स्याह परछाइयों और विवादों से भरा रहा। 975 में बाहरी-विरोधी अभियान, जिसमें 11 मौतें हुईं। उन पर हत्या का आरोप लगा। 1993 के अविश्वास मत में रिश्वत का आरोप, 1994 में उनके निजी सचिव शशिनाथ झा की हत्या का मामला—2006 में सजा हुई, फिर 2007 में बरी हुए। आरोप जितने भी लगे, शिबू सोरेन बरी हो गये। फिर भी जनता ने उनका साथ नहीं छोड़ा। जेल से निकल कर भी चुनाव जीते। तीन बार मुख्यमंत्री बने। दस बार सांसद रहे। पार्टी के एक नेता कहते हैं—एक आदिवासी जब खड़ा होता है, तो उसे राजनीति में फंसाया भी जाता है। हेमंत सोरेन को भी जेल में डाला गया। पर क्या साबित हुआ? जनता अब इन चालों को अच्छी तरह समझने लगी है। शिबू सोरेन पर मुकदमे, सजा और विवादों का बोझ था, पर जनता ने उनका साथ नहीं छोड़ा। उनके योगदान को लोग याद करते हैं। उन्होंने झारखंड का सपना रखा, आदिवासी पहचान को राष्ट्रीय विमर्श में रखा और सबसे बड़ी बात—कॉरपोरेट पावर को चुनौती दी। आज के दौर में विकास की जो रफ्तार है, वह आर्थिक अधिकारों के सवाल को और गहरा कर देती है। क्या राज्य की खनिज संपदा उसी जनता को लाभान्वित कर पायेगी, जिसने इसे जन्म दिया? गुरुजी चले गये, पर सवाल वहीं हैं।

अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने दूर-दराज के गांवों से उमड़ा जनसैलाब

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने दूर-दराज के गांवों से जनसैलाब उमड़ पड़ा। यहां पहुंचे नेताओं ने कहा कि झारखंड की फिजा में शिबू सोरेन सूरज की तरह चमकते थे। अथक संघर्ष और तप से उन्होंने अपनी यह जगह बनायी थी। उस महान योद्धा के अंतिम झलक को देखने के लिए लगभग 45 किलोमीटर तक लोग सड़कों पर खड़े रहे। लोग दोनों तरफ से पुष्प वर्षा करते नजर आये। जिस रास्ते से भी शिबू सोरेन का शव वाहन गुजरा, वहां लोग हाथ जोड़कर खड़े नजर आये। आमलोग लुकैयाटांड़ से पैदल चलकर नेमरा पहुंचे। वहां भी रास्ते पर चलने की जगह नहीं थी। जिला प्रशासन द्वारा जिस रास्ते की मरम्मत शमशान घाट तक जाने के लिए की गयी थी, वह भी कीचड़ से भरा था। धान के खेत और कीचड़ में पटरी रखकर शव को ले जाने की व्यवस्था हुई थी। आम नागरिक को जब वहां रास्ता नहीं मिला तो वे खेतों की पगडंडियों पर उतर आये। श्मशान घाट के चारों तरफ अलग-अलग पगडंडियों से होकर शिबू सोरेन के समर्थक वहां पहुंचे। सबसे बड़ी बात यह थी कि जब वहां बारिश शुरू हुई, तो कुछ लोग वहां बने टेंट में छुपने लगे। लेकिन शिबू सोरेन के समर्थकों ने इस विषम परिस्थिति में भी खुद को टिकाये रखा। लगभग आधे घंटे तक होने वाली बारिश में वह खड़े रहे और अंततः अपने नेता को श्रद्धांजलि अर्पित कर ही लौटे।

पगडंडियों से शमशान घाट पहुंचे समर्थक

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत उनके पैतृक गांव नेमरा में होना था। इसकी खबर जब लोगों को लगी, वह मंगलवार की सुबह से ही नेमरा पहुंचने लगे थे। गांव से लगभग सात किलोमीटर पहले लुकैयाटांड़ में ही जिला प्रशासन ने बैरीकेडिंग कर दी थी। वीआइपी के लिए हेलीपैड और गाड़ियों की व्यवस्था की गयी थी। सात किलोमीटर तक का रास्ता वीआइपी जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए रूट के हिसाब से ही तय कर पा रहे थे। लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा और शिबू सोरेन के समर्थकों ने सात किलोमीटर की लंबी दूरी को पैदल ही पार करना स्वीकार किया।

कल्पना और बसंत सोरेन ने संभाली घर की कमान

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके पैतृक गांव नेमरा में लाखों लोग जुटे थे। रांची से शव वाहन लेकर निकले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जनता को अंतिम दर्शन करा रहे थे। रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत नेमरा गांव में सीएम की पत्नी कल्पना सोरेन और भाई बसंत सोरेन ने तैयारियों की कमान संभाल रखी थी। मंगलवार की दोपहर शिबू सोरेन की बहू कल्पना सोरेन परिजनों के साथ नेमरा गांव पहुंचीं। उसके बाद बसंत सोरेन घर पहुंचे। गांव में अंतिम संस्कार की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी थी।

श्रद्धांजलि देने के लिए समर्थक भी टोटो, ऑटो और बस से पहुंचे हैं। जिला प्रशासन के द्वारा लोगों को मुख्यमंत्री के आवास तक पहुंचाने के लिए छोटे गाड़ियों की व्यवस्था की गयी थी। रामगढ़ से लेकर दिशोम गुरु के आवास तक उन्हें अंतिम जोहार देने के लिए बैनर और पोस्टर लगाये गये थे। सुरक्षा की कमान डीसी फैज अक अहमद मुमताज और एसपी अजय कुमार ने संभाली। भाजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पूरे देश से वीवीआइपी नेता नेमरा पहुंचे। उन लोगों को हेलीकॉप्टर के उतरने के लिए हेलीपैड लुकैयाटांड़ में बनाया गया था। लगभग 7 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए गाड़ियों की व्यवस्था की गयी थी। सभी स्थानों पर बैरिकेडिंग की गयी थी, ताकि सुरक्षा में कोई चूक ना हो।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
200000 Subscribers
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	31.8 °c	23.2 °c
सूर्यास्त (आज) :		18.28 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.21 बजे

गुरुजी को अंतिम विदाई देने उमड़ा हर आम और खास

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन को मंगलवार को झारखंड विधानसभा में राजकीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। राज्यपाल, मंत्री और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने शिबू सोरेन को श्रद्धा के फूल अर्पित किये और उन्हें नमन किया। दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में राज्य के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, राज्य के मंत्री इरफान अंसारी, दीपिका पांडेय सिंह, योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य सोनू, राधाकृष्ण किशोर सहित अन्य शामिल रहे। इस दौरान राज्य के सभी विधायक भी मौजूद रहे। विधानसभा परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में दो मिनट का मौन भी रखा गया। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह भी मोरहाबादी स्थित पैतृक आवास पहुंचकर शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले दिशोम गुरू की अंतिम यात्रा जब मोरहाबादी स्थित उनके आवास से विधानसभा के लिए निकली, तो फिजां पर वीर शिबू अमर रहे का नारा गूंजने लगा। जैसे-जैसे काफिला विधानसभा की ओर बढ़ता गया, गुरुजी के दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती गयी। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर से देशभर में शोक की लहर है। उनका इस दुनिया से जाना हर किसी को खल रहा है।

हरिनारायण सिंह की पहचान लेखनी से थी, यह मिटनी नहीं चाहिए : रघुवर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री और ओडिशा के पूर्व राज्यपाल रघुवर दास मंगलवार को वरिष्ठ पत्रकार और आजाद सिपाही के प्रधान संपादक रहे स्व हरिनारायण सिंह जी के आवास पर जाकर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस दौरान उनके परिजनों को ढांढस बंधाया। बाबा बैद्यनाथ से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। परिजनों को ढांढस बंधाते हुए रघुवर दास ने कहा कि स्व हरिनारायण सिंह बहुत पुराना संबंध रहा है।

हरिनारायण सिंह के दोनों पुत्र राकेश सिंह और राहुल सिंह को कहा कि पिता के इस कारवां को आगे ले जाने की जिम्मेवारी आप दोनों पर है। हरिनारायण सिंह की पहचान लेखनी से थी, यह पहचान मिटनी नहीं चाहिए।

हरिनारायण सिंह ने पत्रकारिता के माध्यम से समाज की सेवा की है : बाबूलाल मरांडी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी वरिष्ठ पत्रकार और आजाद सिपाही के प्रधान संपादक रहे हरिनारायण सिंह के आवास पर जाकर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस दौरान उनके परिजनों को ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हरिनारायण सिंह पत्रकारिता के माध्यम से दशकों तक समाज की सेवा की। उनका निधन पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि सदैव हम आपलोगों के साथ खड़े रहेंगे।

श्री श्याम मंदिर में पुत्रदा एकादशी उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया

खाटू को श्याम रंगीलो रे खाटू को...

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को पुत्रदा एकादशी उत्सव अत्यंत श्रद्धा भक्ति के साथ उत्साह पूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री श्याम देव को प्रातः नवीन वस्त्र (बागा) पहना कर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत कर गुलाब, रजनीगंधा, जरबेरा, गुलदाऊदी, बेला, गैंदा से मनमोहक श्रृंगार किया गया साथ ही मंदिर में विराजमान शिव परिवार एवम बजरंगबली का भी इस अवसर पर विषेश श्रृंगार किया गया। रात्रि 9 बजे पावन ज्योत प्रज्वलित कर भक्तगण कतार में लग कर पावन ज्योत में आहुति प्रदान कर मनोवांछित फल की कामना कर रहे थे।

श्री श्याम मंडल के सदस्यों द्वारा गणेश वंदना के साथ संगीतमय संकीर्तन किया गया। आयो सांवलियो सरकार... हमें तो जो भी दिया श्याम बाबा ने दिया... दरबार है निराला खाटू के श्याम का... खाटू को श्याम रंगीलो रे खाटू को... किस्मत वालों को मिलता है श्याम तेरा दरबार इत्यादि भजनों की पर भक्तगण झूमते रहे।

इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को शुद्ध घी में बने हुए बूंदी लड्डू, केसरिया पेड़ा, बादाम बर्फी, रबड़ी, चूरमा और विभिन्न प्रकार के फल एवं मेवा को भोग अर्पित किया गया। रात्रि 12 महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में चंद्र प्रकाश बागला, धीरज बंका, गोपी किशन ढांढनियां, अमित जालान, प्रदीप अग्रवाल, प्रियांश पोद्दार, विकास पाड़िया, राजेश सारस्वत, ज्ञान प्रकाश बागला, विवेक ढांढनियां, नितेश केजरीवाल का विशेष सहयोग रहा।

मीडिया प्रभारी सुमित पोद्दार ने बताया कि बुधवार को द्वादशी के अवसर पर संध्या 6:30 बजे से श्री श्याम प्रभु को खीर चूरमा का भोग अर्पित कर मंदिर परिसर से ही भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया जायेगा।

गुरुजी को अंतिम जोहार करने बाइक से नेमरा पहुंचे अर्जुन मुंडा और सुदेश महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो और पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा गुरुजी के अंतिम दर्शन करने बाइक से ही नेमरा पहुंच गये। दोनों 7 किलोमीटर तक बाइक चला कर नेमरा पहुंचे। दरअसल रास्ते में भारी भीड़ और ट्रैफिक जाम की वजह से उनके वाहन रुक गयी थी। वाहन आगे बढ़ ही नहीं पा रहे थे, इसलिए दोनों ने यह कदम उठाया। उन्हें गुरुजी के अंतिम संस्कार में शामिल होना था। इसलिए दोनों अंतिम विदाई देने के लिए तकरीबन 7 किलोमीटर की दूरी बाइक से तय की और नेमरा पहुंचे। गुरुजी भले ही अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके विचार, उनका संघर्ष और उनके प्रति यह सम्मान हमेशा जीवित रहेगा। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद पूरा राज्य शोक में डूबा है। श्रद्धांजलि देने के लिए

उनके पैतृक गांव नेमरा में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

इसी क्रम में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो भी अंतिम दर्शन को पहुंचे। इनके साथ आजसू के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, हसन अंसारी, मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत समेत अन्य नेता भी बाइक से पहुंचे और गुरुजी को अंतिम जोहार किया।

श्रीकृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट ने दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड आंदोलन के जननायक एवं देश के वरिष्ठ आदिवासी नेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम सद्गुरु अपना घर आश्रम, पुंदाग, रांची में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इसमें ट्रस्ट के पदाधिकारियों, आश्रम में निवास कर रहे दिव्यांग, निराश्रित, दीनबंधु एवं सेवा में लगे सेवादारों ने भाग लिया। सभा की शुरुआत दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख कर ईश्वर से प्रार्थना की गयी। शोकसभा में ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल ने कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन के संघर्षमयी जीवन, उनके सामाजिक योगदान, और झारखंड के निर्माण में उनके अद्वितीय नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि

गुरुजी न केवल एक राजनेता थे, बल्कि वे झारखंड की आत्मा थे।

ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि दिशोम गुरु का निधन न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। शोकसभा में मनोज कुमार चौधरी, सज्जन पाड़िया, निर्मल जालान, राजेंद्र अग्रवाल, पुजारी अरविंद पांडे, पूरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, विशाल जालान, पवन पोद्दार, नंदकिशोर चौधरी, मधु जाजोदिया, सुनील पोद्दार, संजय सर्राफ, आशीष कुमार, सुधीर कुमार, पवन कुमार, मुरली कुमार, परमेश्वर प्रसाद, चंद्रदीप साहू, हरीश कुमार, सुरज कुमार, आशीष कुमार, सत्यम कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सरला बिरला विवि में शोकसभा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर सरला बिरला विश्वविद्यालय में श्रद्धांजलि एवं शोकसभा का आयोजन किया गया। विवि के तमाम शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर दिशोम गुरु की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। अपने विचार व्यक्त करते हुए विवि के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक एवं माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन ने स्वर्गीय शिबू सोरेन के व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने के लिए दशकों तक चला उनका संघर्ष सर्वदा स्मरणीय रहेगा। वक्ताओं ने समाज को जोड़े रखने में उनके योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि देश और समाज को उनकी कमी हमेशा खलेगी। एसबीयू के माननीय प्रतिकुलाधिपति श्री बिजय कुमार दलान एवं माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने दिशोम गुरु के निधन पर शोक संदेश प्रेषित किया है।

वाइबीएन विवि ने शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर वाइबीएन विश्वविद्यालय रांची परिवार ने गहरा शोक व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित एक विशेष शोक सभा में संस्थापक, वाइस-चांसलर सहित सभी प्रमुख अधिकारियों और सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और अपनी संवेदनाएं अर्पित कीं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन रामजी यादव ने शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए झारखंड राज्य के गठन और विकास में उनके अविस्मरणीय योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा,

गुरुजी (शिबू सोरेन) का जीवन झारखंड के निवासियों के प्रति कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण का अद्वितीय उदाहरण रहा है। उन्होंने अलग झारखंड राज्य के सपने को साकार करने के लिए अथक परिश्रम किया और अपने पूरे जीवन को राज्य के उत्थान एवं विकास को समर्पित कर दिया। चेयरपर्सन ने आगे कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व और अटूट संकल्प ने झारखंड को एक नयी पहचान दी और यहां के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाये। सभी उपस्थित सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया और ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार एवं समर्थकों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति दें। वाइबीएन विश्वविद्यालय परिवार शिबू सोरेन के निधन को झारखंड के लिए एक अपूरणीय क्षति मानता है। उनका योगदान हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

झारखंड ने एक मूर्धन्य जननायक खो दिया : राजेंद्र प्रसाद

रांची (आजाद सिपाही)। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने मंगलवार को विधानसभा में परिसर में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। राजेंद्र प्रसाद ने शिबू सोरेन के निधन पर कहा कि झारखंड ने एक मूर्धन्य जननायक खो दिया। उन्होंने कहा शिबू सोरेन के निधन से पूरा झारखंड मर्माहत है।

हिंदू महापरिवार ने पहाड़ी मंदिर में भोग वितरित किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हिंदू महापरिवार द्वारा पहाड़ी मंदिर में भोग वितरण किया गया। संध्या आरती में भक्तो की भिड पहाड़ी मंदिर में उमड़ पड़ी। पहाड़ी मंदिर में संध्या आरती बहुत ही भव्य तरीके से किया जाता है ,हिन्दू महापरिवार के सभी कार्यकर्त्ता स्वंम बाबा का भोग प्रसाद बनाते है,हिंदू महापरिवार के कार्यकर्ता लगातार चौथी सोमवारी बाबा के दरबार में सेवा दे रहे हैं। और भोग प्रसाद का वितरण कर रहे हैं संध्या भोग वितरण में हिंदू महापरिवार के अध्यक्ष राजेश अयान, सूरजभान सिंह, रोहित सारदा, ईशान राज, रोहित, संदीप गुप्ता, आनंद कुमार साही, स्वप्ना चटर्जी, नम्रता सोनी, पंकज गुप्ता,अनुज कुमार,संतोष कुमार, राहुल कुमार और अशोक ठाकुर, रागिनी जयसवाल, बादल सिंह, राहुल कुमार, बिनय कुमार, कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

साई नाथ विश्वविद्यालय ने दिशोम गुरु के निधन पर शोक व्यक्त किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। साईं नाथ विश्वविद्यालय, रांची में मंगलवार को झारखंड आंदोलन के प्रणेता, आदिवासी समाज के सशक्त स्वर, और पूर्व केंद्रीय मंत्री आदरणीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया।

विश्वविद्यालय परिवार की ओर से कुलपति प्रो (डॉ) एसपी अग्रवाल की अध्यक्षता में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गयी, जिसमें समस्त शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि सभा में दो मिनट का मौन रख कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी। इस अवसर पर कुलपति महोदय ने कहा कि शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष, संघर्षशीलता और समाज के प्रति समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। वे झारखंड की आत्मा, अस्मिता और अधिकारों के लिए आजीवन संघर्षरत रहे। उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना कर जनजातीय अधिकारों की आवाज को राष्ट्रीय मंच पर पहुंचाया।

श्री सोरेन झारखंड के यशस्वी नेता, महान जननायक, झारखंड आंदोलन के अगुवा, पूर्व केंद्रीय मंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, झारखंड-सह-राज्य सभा सांसद महत्वपूर्ण पदों पर रहे। उनके द्वारा समाज के वंचित वर्गों के उत्थान, शिक्षा, कृषि, वनाधिकार, जल-जंगल-जमीन जैसे मुद्दों पर किये गये कार्य आज भी प्रासंगिक हैं।

साईं नाथ विश्वविद्यालय परिवार की ओर से यह संकल्प लिया गया कि उनके विचारों और मूल्यों को विश्वविद्यालय के शिक्षण और सामाजिक सरोकारों में आत्मसात किया जायेगा। उनका निधन न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को चिर शांति प्रदान करें तथा उनके परिजनों व अनुयायियों को यह दुःख सहन करने की शक्ति दें।

गुरुजी आदिवासी समाज के योद्धा मिले भारत रत्न : कैलाश यादव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने झारखंड राज्य के प्रणेता शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग की है। मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर उन्होंने इसकी जानकारी दी। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता कैलाश यादव ने कहा कि गुरुजी आदिवासी समाज के अजेय योद्धा थे। गुरुजी झारखंड के धरतीपुत्र थे। उन्होंने जल, जंगल और जमीन बचाने के लिए जीवन भर संघर्ष किया। वंचितों के हक को लेकर आवाज उठाते रहे। इसलिए उन्हें भारत रत्न देने की मांग केंद्र सरकार से की गयी है। उन्होंने कहा कि गुरुजी ने आदिवासी समाज के अधिकारों और साहूकारों के अत्याचार के खिलाफ शुरू की गयी लड़ाई को जंगल के गांव से लेकर लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर संसद तक पहुंचाया। इसलिए उन्हें भारत रत्न दिया जाना चाहिये।

अर्चित आनंद ने दिशोम गुरु को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दी

रांची (आजाद सिपाही)। साहब श्री हरींद्रानंद, शिव शिष्य परिवार के मुख्य सलाहकार अर्चित आनंद ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि परमात्मा से प्रार्थना है कि इस दुख की घड़ी में गुरुजी को अपने श्री चरणों में स्थान दें। हम सभी शिव के शिष्य अपने गुरु महादेव से दया, साहब दीदी के आशीर्वाद की याचना करते हैं कि गुरुजी के पदचिह्नों पर चल कर राज्य और देश को नयी दिशा देंगे।

आलोक दुबे और लाल किशोर नाथ शाहदेव ने दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे और मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने मंगलवार को झारखंड के जननायक, अलग राज्य आंदोलन के प्रखर योद्धा, आदिवासी अस्मिता के प्रतीक, दिशोम गुरुजी शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रातःकाल दोनों नेता मोराबादी स्थित गुरुजी के सरकारी आवास पर पहुंचे, जहां भारी संख्या में लोग अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने के लिए उपस्थित थे। इस अवसर पर वातावरण भावुक और गमगीन था। नम आंखों से दोनों नेताओं ने पुष्प अर्पित कर गुरुजी को नमन किया और उनके प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। श्रद्धांजलि अर्पण के बाद आलोक कुमार दूबे एवं लाल किशोर नाथ शाहदेव विधानसभा परिसर भी पहुंचे, जहां राज्य सरकार की ओर से आयोजित

श्रद्धांजलि सभा में उन्होंने पुनः गुरुजी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री से मिलकर इस कठिन समय में ढाढ़स बंधाया और पूरे राज्य की ओर से संवेदना व्यक्त की। दोनों नेताओं ने कहा कि दिशोम गुरुजी का जाना झारखंड और देश के लिए एक युग का अंत है। वे केवल एक राजनीतिक नेता नहीं, बल्कि झारखंड के जन-जन की आवाज, आदिवासी अधिकारों के प्रहरी और अलग राज्य आंदोलन के अदम्य योद्धा थे। उनका संघर्ष, त्याग और बलिदान हमेशा स्मरण किया जायेगा।

उन्होंने आगे कहा कि गुरुजी ने झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाने के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया और इस संघर्ष के दौरान उन्होंने अनेक कठिनाइयों का सामना किया, किंतु कभी पीछे नहीं हटे। उनके नेतृत्व ने झारखंड की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया और आने वाली पीढ़ियों को उनके योगदान को जानना और उससे प्रेरणा लेना चाहिए। दिशोम गुरुजी शिबू सोरेन की स्मृति और विचार सदैव झारखंड के लोगों के हृदय में जीवित रहेंगे। उनका जीवन हम सबके लिए प्रेरणास्रोत है और उनके आदर्श झारखंड को आने वाले समय में भी मार्गदर्शन देते रहेंगे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 06 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in

मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव भी नेमरा पहुंचे

आजाद सिपाही संवाददाता

नेमरा, गोला, रामगढ़। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी नेमरा, गोला रामगढ़ पहुंच कर पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु दिवंगत शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में सम्मिलित हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं परिजनों से मिल कर अपनी संवेदना जताई और दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को दुःख की इस घड़ी में शक्ति प्रदान करने की कामना ईश्वर से की।

बरलंगा से नेमरा तक रेंगती रहीं गाड़ियां

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में हर कोई शामिल होने नेमरा पहुंचा। लेकिन घंटों लगी रही जाम ने लोगों को काफी परेशान किया। बरलंगा से लेकर नेमरा तक लगी लंबी जाम में कई वीआइपी भी फंसे रहे। सदन के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के अलावा झारखंड के सभी मंत्री और नेता इस जाम में उलझे नजर आये। कहीं कोई सुरक्षा के बीच पैदल चलता हुआ दिखायी दिया, तो कहीं गाड़ियों में बैठे नेता परेशान होते रहे। जाम की वजह से गाड़ियां सरकने का नाम नहीं ले रही थी। कई ऐसे स्थान भी थे, जहां सड़क कच्ची थी, वहां जाम की भयावह स्थिति बन गयी थी।

बाबा की अंतिम यात्रा को मोबाइल में कैद कर रहे थे लोग

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की अंतिम यात्रा में हुजूम उमड़ पड़ा। भारी बारिश के बावजूद उनकी अंतिम यात्रा में शामिल लोग अपने अपने मोबाइल के कैमरों में कैद कर रहे थे।

अपने लाल को देखने बेताब हुए नेमरावासी

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर नेमरा करीब 2:30 बजे पहुंचा। फूलों से सजी दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर रखा गया था। जिसे लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नेमरा पहुंचे। लोगों की नजर जैसे ही सजी वाहन पर पड़ी लोग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की आवास की ओर दौड़ पड़े। इसके बाद एक झलक पाने के लिए लोगों की दीवानगी और बेताबी भीड़ से शिबू सोरेन अमर रहे, जब तक सूरज चांद रहेगा, बाबा तेरा नाम रहेगा। बाबा के चाहने वालों की नजर जैसे ही बाबा पर पड़ी उनकी आंखें छलक गई और हर चेहरा मायूस हो गया। बाबा तुम कहां चले गए अब हम किसके भरोसे रहेंगे, लोगों की पीड़ा से स्पष्ट झलक रहा था कि उनके

सर से साया उठ गया है। हालांकि बड़ी उम्मीद के साथ बाबा के चाहने वाले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर निहार रहे थे, मुख्यमंत्री लोगों की व्यवस्था देखकर नजरों ही नजरों में सांत्वना देने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन बाबा के दीवाने कहां मानने वाले थे उनकी आंखें बार-बार नम हो रही थी। नेमरा स्थित आवाज से दिशोम गुरु शिबू सोरेन का अंतिम यात्रा निकाली गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक पुत्र बसंत सोरेन ने जैसे ही बाबा की अर्थी कंधे पर उठाए दोनों फफक कर रोने लगे। जिसे देख परिवार वालों की आंखें नम हो गई। जबकि उमड़ी समर्थकों की भीड़ भी कलपने लगी। इस दौरान दोनों बेटे के अलावा रिश्तेदार और समर्थक बाबा की अर्थी को कंधा देकर शमशान घाट पहुंचा। जहां पूरे विधि विधान से बाबा को मुखाग्नि दिया गया। इस दौरान उन्हें राजकीय सम्मान दिया गया।

गुरुजी आदिवासियों एवं वंचितों के साथ साथ समाज के सभी वर्गों की भलाई चाहते थे : परिमल नथवाणी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के महान नेता दिशोम गुरुजी की अंतिम विदाई पर राज्यसभा सांसद परिमल नथवाणी भावुक हुए और कहा कि गुरुजी आदिवासियों एवं वंचितों के साथ साथ समाज के सभी वर्गों की भलाई चाहते थे और उनके कल्याण के लिए सदा प्रतिबद्ध एवं कार्यरत रहे। दो दिन से लगातार गुरुजी विषयक सोश्यल मीडिया पर श्री नथवाणी गुरुजी के प्रति अपना सम्मान एवं भावनाएं प्रकट कर रहे है। गुरुजी के निधन की खबर सुन कर श्री नथवाणी तुरंत राज्य के मुख्यमंत्री और गुरुजी के सुपुत्र हेमंत सोरेन के पास पहुंचे और अपनी शोक संदेवनाएं रूबरू में प्रदर्शित की।

श्री नथवाणी ने कहा कि हेमंत सोरेन भी अपने पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए झारखंड के विकास और आदिवासियों की भलाई के लिए हमेशा कार्यरत रहते हैं। आपने कहा कि मैंने हेमंत सोरेन में एक शोक संतप्त पुत्र के अलावा अपने पिता के कार्यों और विरासत को आगे बढ़ाने की लगन, कर्मठता एवं प्रतिबद्धता की छवि देखी है।

ज्ञातव्य है कि श्री नथवाणी फिलहाल आंध्र प्रदेश से राज्य सभा सांसद हैं, परंतु वर्ष 2008 से वर्ष 2020 तक की लगातार दो अवधियों के लिए वे झारखंड से राज्यसभा सांसद रह चुके हैं। श्री नथवाणी ने याद किया कि मैं एक बाहरी और निर्दलीय सांसद होते हुए भी मेरे कार्यकाल के दौरान और मेरी पुस्तक झारखंड मेरी कर्मभूमि की रचना के दौरान मुझे आदरणीय गुरुजी और हेमंत सोरेन से काफी स्नेह, सौहार्द और सहयोग प्राप्त हुआ, जो मैं कभी नहीं भूल सकता। श्री नथवाणी ने कहा कि दिशोम गुरुजी की आत्मा की चिर शांति के लिए मैं प्रार्थना करता हूं।

हजारीबाग झामुमो जिला कमेटी ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, झारखंडी अस्मिता और जन-आंदोलन के पुरोधा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा हजारीबाग जिला कमिटी जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया के नेतृत्व में श्रद्धांजलि दी। रांची मोरहाबादी स्थित आवास पर जाकर उन्हें नमन किया। श्रद्धांजलि देने वालों में जिला समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा, बुद्धिजीवी मंच, किसान मोर्चा और प्रखंड स्तर के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा दिशोम गुरु केवल एक राजनीतिक नेता नहीं, बल्कि झारखंड के सामाजिक चेतना के प्रतीक थे। उन्होंने हमें संघर्ष की राह दिखायी, अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की ताकत दी और आत्मसम्मान से जीने की प्रेरणा दी।

विजय कुमार शर्मा लगातार 16वीं बार दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बने

रांची (आजाद सिपाही)। देवी मंडप रोड ऐदलहातू स्थित दुर्गा पूजा समिति के गठन हेतु एक बैठक का आयोजन रविवार को किया गया। इसमें सर्वसम्मति से विजय कुमार शर्मा को एक बार पुनः समिति के अध्यक्ष पद के लिए चुना गया। श्री शर्मा लगातार 16 वर्षों से इस पद के लिए चुने जा रहे हैं। इसमें अध्यक्ष ने पुरानी कमेटी को ही सुचारू रूप से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया तथा कुछ नये लोगों को भी इसमें सम्मिलित करने का निर्णय अध्यक्ष के द्वारालिया गया। इस मीटिंग में दुर्गा पूजा समारोह का आयोजन हेतु परिदृश्य पर चर्चा की गयी, जिसमें झारखंड सरकार के द्वारा जो भी गाइडलाइन दुर्गा पूजा हेतु जारी किया गया है, उसका पूरी तरह पालन करते हुए मां दुर्गा की पूजा अर्चना करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। समिति के अध्यक्ष विजय कुमार शर्मा ने समिति के सदस्यों द्वारा विचार विमर्श कर पंडाल के लिए 3,00,000 रुपये, मूर्ति 1,50,000 रुपये, लाइट तथा साउंड 2,50,000 रुपये, पूजा सामग्री और प्रसाद 1,50,000 रुपये, कुल राशि 8,50,000 रुपये बजट को पारित किया। वही समिति के सचिव त्रिलोकी सिंह ने कहा कि मां के दर्शन करनेआने वाले सभी श्रद्धालुओं के देखरेख की उचित व्यवस्था की जायेगी। इस मौके पर उपसचिव बबलू प्रसाद, उपाध्यक्ष नित्यानंद सिंह तथा रजनीश कुमार, कोषाध्यक्ष विनीत सिंह एवं निशांत चौहान, संरक्षक मनोज कुमार सिंह और बीएन सिंह, मुख्य सलाहकार राजेश कुमार सिंह एवं पिंटू कुमार तथा मुख्यपुरोहित नारायण मिश्रा इत्यादि मौजूद थे।

पूर्व तट रेलवे

(1) ई-निविदा सूचना सं.: ST-SBP-TENDER-2025-22, दिनांक: 17.07.2025

कार्य का नाम: सम्बलपुर मंडल में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/SIG/रेढ़ाखोल (RAIR) के अधीन जरपड़ा (JRPD)-सम्बलपुर सिटी (SBPY) सेक्शन के लिए एक वर्ष हेतु सिग्नलिंग जोनल कार्य।

निविदा मूल्य: रु. 52,35,958.89, बोली सुरक्षा: रु. 1,04,700.00

(2) ई-निविदा सूचना सं.: ST-SBP-TENDER-2025-23, दिनांक: 18.07.2025

कार्य का नाम: सम्बलपुर मंडल में अमृत भारत स्टेशनों सम्बलपुर (SBP), बरगढ़ रोड (BRGA), बलांगीर (BLGR) टिटिलागढ़ (TIG), केसिंगा (KSNG), कांटाबांजी (KBJ), सम्बलपुर सिटी (SBPY) एवं महासमुन्द (MSMD) स्टेशनों में मौजूदा कोच इंडीकेशन बोर्ड प्रणालियों तथा ऑटो अनाउंसमेंट प्रणाली का स्थानानंतरण।

निविदा मूल्य: रु. 1,31,57,772.86, बोली सुरक्षा: रु. 2,15,800.00.

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 11.08.2025 को 1100 बजे (दोनों निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा।

ऊपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (Tele), सम्बलपुर
PR-433/Q/25-26

बिरला कंजंपशन फंड ने पूरे किये 20 वर्ष, पीएमपीके वेल्थ में मना जश्न

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आदित्य बिरला सन लाइफ म्युचुअल फंड की प्रतिष्ठित योजना बिरला कंजम्पशन फंड ने अपने 20 गौरवपूर्ण वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। यह फंड वर्ष 2005 में लॉन्च हुआ था, जब भारत में उपभोक्ता क्षेत्र तेजी से उभर रहा था। बीते दो दशकों में, फंड ने देश के उपभोक्ता थीम में निवेश कर निवेशकों के लिए बड़े धन का निर्माण किया है। इस अवसर पर मंगलवार को बरियातू रोड स्थित पीएमपीके वेल्थ के कांफ्रेंस हॉल में केक कटिंग करते हुए उत्सव मनाया गया।

आदित्य बिरला सुन लाइफ म्युचुअल फंड के क्षेत्रीय प्रबंधक संतोष मिश्रा ने फंड की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि 10,000 मासिक एसआईपी करने वाले निवेशकों का निवेश 20 वर्षों में 1.5 करोड़ से अधिक धन का निर्माण किया है। वहीं, 20 वर्ष पहले एक लाख एक साथ जमा करने वाले निवेशक के 20 लाख 40 हजार रुपए बन गये, जबकि इसी अवधि में बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट ने 3 लाख रुपया, पीपीएफ ने 3.57 लाख रुपया और सोना ने 15 लाख रुपया का धन निवेशकों को बना कर दिया। श्री मिश्रा ने कहा कि बिरला कंजम्पशन फंड भारत की उपभोक्ता क्रांति का गवाह है। आगे भी भारत में ग्रामीण और मध्यम श्रेणी के लोगों का बढ़ता हुआ कंजंप्शन ने रिटेल क्रांति की शुरुआत की है, जो आने वाले अनेक दशकों तक चलेगा। इसलिए आने वाले वर्षों में भी निवेशकों को अच्छा मुनाफा मिलने की उम्मीद है।

पीएमपीके वेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक देवेश जैन ने कहा कि भारत के लोग अपने भविष्य की कमाई के लिए आस्वस्त हैं और इसलिए वे कर्ज लेकर भी आसानी से खर्च कर रहे हैं। प्रदीप जैन ने बताया कि फंड मैनेजर चंचल खंडेलवाल एवं धवल जोशी कुशलता से इस फंड को मैनेज कर रहे हैं और उन्होंने ज्यादा निवेश भारती एयरटेल, आईटीसी, आइसीआइसीआइ बैंक, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा ऐंड महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति सुजुकी जैसी सुप्रसिद्ध एवं स्थिर कंपनियों में किया है, जिसका लाभ निवेशकों को मिल रहा है। कमलेश कुमार ने कहा कि म्युचुअल फंड के निवेश में जोखिम है और भविष्य के लाभ की कोई गारंटी भी नहीं है, फिर भी मैं भारत के आर्थिक भविष्य को लेकर निश्चिंत हूं, इसलिए इक्विटी आधारित म्युचुअल फंड योजनाओं पर मेरा विश्वास बना रहेगा।

रांची जिला जूडो चैंपियनशिप का आयोजन आरडीएस पब्लिक स्कूल नामकुम में संपन्न

रांची (आजाद सिपाही)। रांची जिला जूडो संघ द्वारा आयोजित रांची जिला जूडो चैंपियनशिप 2025 का आयोजन आरडीएस पब्लिक स्कूल, नामकुम के प्रांगण में बड़े ही उत्साह और सफलता के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन के मुख्य अतिथि मनोज सिंह, निदेशक, आरडीएस पब्लिक स्कूल थे, जबकि विशेष अतिथि के रूप में माधुरी, शारीरिक शिक्षा शिक्षिका, नवोदय विद्यालय समिति उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि मनोज सिंह ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में छात्रों को जूडो खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने जूडो को आत्मरक्षा हेतु सबसे उपयुक्त खेल बताया और कहा कि यह खेल न केवल शारीरिक सुदृढ़ता को बढ़ाता है, बल्कि छात्रों में अनुशासन और आत्मविश्वास भी पैदा करता है। उन्होंने स्कूल परिसर में स्थायी रूप से जूडो अभ्यास के लिए हॉल उपलब्ध कराने की घोषणा कर सभी को चौंका दिया। इस चैंपियनशिप का संचालन रांची जूडो संघ के सचिव अंशुमान राय, कोषाध्यक्ष अभिषेक कुमार सिंह तथा तकनीकी अधिकारी उपेंद्र कुमार के सहयोग से सफलतापूर्वक किया गया।

हटिया स्टेशन पर संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। हटिया स्टेशन में मंगलवार को परिचालन विभाग द्वारा एक संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य रूप से सुरक्षित ट्रेन परिचालन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गयी। संगोष्ठी का प्रमुख उद्देश्य रेल दुर्घटनाओं को रोकने हेतु सुरक्षित परिचालन की दिशा में सभी कर्मचारियों को जागरूक करना एवं उन्हें संरक्षा नियमों के पालन के लिए प्रेरित करना था। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मंडल परिचालन प्रबंधक बीएन शर्मा ने कहा कि संरक्षा भारतीय रेल की सर्वोच्च प्राथमिकता है और संरक्षा नियमों का कठोरता से पालन ही किसी भी दुर्घटना को टाल सकता है। उन्होंने कर्मचारियों को सजग एवं सतर्क रह कर अपने कार्यों का निष्पादन करने तथा व्यक्तिगत एवं परिचालनिक सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने का निर्देश दिया। सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी उमेश कुमार वर्मा ने भी संरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित करते हुए कर्मचारियों को नियमों के पालन की आवश्यकता पर बल दिया तथा कहा कि रेल संरक्षा में प्रत्येक कर्मचारी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। संगोष्ठी में उपस्थित परिचालन, यांत्रिक, विद्युत, सिग्नल, इंजीनियरिंग आदि विभागों के कर्मचारियों ने अपने-अपने अनुभव साझा किए तथा कार्यस्थल पर संरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सुझाव भी दिये।

रांची मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर एटीवीएम फैसिलिटेटर की नियुक्ति

अधिसूचना सं.: सी/आरएनसी/एटीवीएम/फैसिलिटेटर-17/एपीपीएल./कॉल/2025 दिनांक 04.08.2025

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची द्वारा **रांची मंडल के विभिन्न स्थानों पर 17 अदद एटीवीएम फैसिलिटेटर (रांची में 07, हटिया में 03, लोहरदगा में 03, झालिदा में 02 तथा मूरी में 02) की नियुक्ति** के लिए इच्छुक व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। **पात्रता की शर्तें:** पात्रता की शर्तें एवं सभी नियम और शर्तें वेबसाइट **www.ser.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध होंगे। **आवेदन जमा करने का स्थान:** आवेदन पत्र **03.09.2025 को सुबह 10.30 बजे से अपराह्न 3.00 बजे** के बीच वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची के कार्यालय में रखी गई पेटी में डालना होगा। आवेदन भरे हुए लिफ़ाफ़े के ऊपर "रांची मंडल के........................ स्थान पर एटीवीएम फैसिलिटेटर की नियुक्ति" अवश्य लिखा हुआ होना चाहिए। नियम एवं शर्तों सहित प्रारूप तथा अन्य जानकारियां **05.08.2025 को सुबह 10.00 बजे से 03.09.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक** सभी कार्य दिवसों को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं। **आवेदन खुलने की तारीख एवं समय:** 03.09.2025 को अपराह्न 3.30 बजे। **वेबसाइट का विवरण जहाँ सम्पूर्ण विवरण (आवेदन प्रारूप एवं नियम और शर्तों सहित) देखा/डाउनलोड किया जा सकता है:** 05.08.2025 से 03.09.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक **www.ser.indianrailways.gov.in** से। साधारण शर्तों तथा आवेदन प्रपत्र में निर्धारित सभी शर्तों को पूरा किये बगैर प्राप्त आवेदन को रद्द कर दिया जायेगा। रेल प्रशासन बिना कोई कारण बताये किसी भी आवेदक को चुनने/रद्द करने/उनकी सेवा समाप्त करने तथा अधिसूचना को रद्द करने का भी अधिकार सुरक्षित रखता है। किसी भी विवरण/जिज्ञासाओं के लिए कृपया वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची के कार्यालय से संपर्क करें।

(PR-483) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रांची

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

न्याय की जीत

जनता दल (एस) के पूर्व सांसद और पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना को रेप के एक मामले में मिली उम्रकैद की सजा न्याय की मिसाल है। केस दर्ज होने के करीब सालभर में पीड़िता को इंसाफ मिल गया। केस को त्वरित गति से निपटाने के लिए पुलिस से लेकर जूडिशरी तक ने असाधारण तेजी दिखायी। इससे साबित होता है कि अगर ठान लिया जाये, तो कोई भी अपराधी अदालत के कटघरे से बच नहीं सकता।

विश्वास तोड़ा : प्रज्वल रेवन्ना का अपराध मानवता को शर्मसार करने वाला है। उसने कमजोर और गरीब तबके की महिलाओं से लेकर सरकारी कर्मचारियों तक को निशाना बनाया। यहां तक कि अपनी पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं को भी नहीं छोड़ा और सभी पीड़िताओं के विडियो शूट किए थे। पुलिस के अनुसार प्रज्वल रेवन्ना ने करीब 100 महिलाओं का यौन शोषण किया। उसने उस भरोसे का कत्ल किया, जो एक जनप्रतिनिधि पर जनता को होता है।

ताकत का गलत इस्तेमाल : पिछले साल अप्रैल में लोकसभा चुनाव से ऐन पहले प्रज्वल के निर्वाचन क्षेत्र हासन में उसके कुकृत्य को उजागर करने वाले सैकड़ों पेन ड्राइव लोगों को मिले थे। इसी के बाद उसकी असलियत सामने आयी। दोषी करार दिए जाने के बाद जो प्रज्वल रेवन्ना अदालत में रो रहा था, वही मामला खुलने के बाद बचने के लिए अपनी ताकत का कोई भी इस्तेमाल करने से नहीं हिचका था। वोटिंग के तुरंत बाद अपने राजनयिक पासपोर्ट का इस्तेमाल कर वह विदेश भाग गया था। यह भी आरोप है कि उसके पिता और कर्नाटक सरकार में मंत्री रहे एचडी रेवन्ना व उसकी मां भवानी रेवन्ना ने पीड़िता का अपहरण करा लिया था, ताकि वह बयान न दर्ज करा सके।

एसआइटी प्रमुख बीके सिंह ने भी सर्वाइवर की तारीफ करते हुए कहा कि वह चट्टान की तरह अडिग रही। उसके हौसले और हिम्मत को सलाम करते हुए जांच एजेंसी की भी प्रशंसा की जानी चाहिए।

पीड़िता की हिम्मत : प्रज्वल रेवन्ना और उसके परिवार ने अपनी ताकत एवं राजनीतिक पहुंच का भरपूर इस्तेमाल किया। यह मुकदमा शायद कभी अंजाम तक न पहुंचता, अगर वह पीड़िता डटी न रही होती। एसआइटी प्रमुख बीके सिंह ने भी सर्वाइवर की तारीफ करते हुए कहा कि वह चट्टान की तरह अडिग रही। उसके हौसले और हिम्मत को सलाम करते हुए जांच एजेंसी की भी प्रशंसा की जानी चाहिए। अपराध के करीब चार साल बाद सबूतों को जुटाना और इतने गतिरोध के बीच आगे बढ़ना आसान नहीं रहा होगा।

लड़ाई अभी बाकी : प्रज्वल के खिलाफ यौन शोषण के चार मामले दर्ज किये गये थे। अभी केवल पहले का फैसला आया है यानी लड़ाई अभी लंबी है, लेकिन, इस पहले केस ने यह विश्वास पैदा किया है कि राजनीतिक हस्तक्षेप न हो और ईमानदारी बरती जाये, तो तेजी से न्याय बिल्कुल मिल सकता है।

अभिमत
आजाद सिपाही

महाभारत के रचयिता महर्षि वेदव्यास का जन्म भी गुरु पूर्णिमा को हुआ था। बौद्ध धर्म की मान्यताओं के अनुसार गुरु पूर्णिमा के दिन ही सारनाथ में अपने शिष्यों को प्रथम उपदेश दिया था। गुरु पूर्णिमा को धर्मचक्र का प्रवर्तन हुआ। धर्मग्रंथों में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु, शिव और परब्रह्म कहा गया है। ध्यान का मूल गुरु की मूर्ति में है, पूजा का मूल गुरु के चरणों में है, मंत्र का मूल गुरु के शब्दों में है और गुरु की कृपा हो जाए तो मोक्ष का मार्ग प्रशस्त हो सकता।

गुरु कृपा के बिना जीवन की सार्थकता संभव नहीं

कृष्ण मोहन झा

गुरु पूर्णिमा के पुनीत पर्व पर सारे देश में श्रद्धा पूर्वक गुरु वंदना करके और शिष्य अपने गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। देश में विभिन्न स्थानों इस आयोजन के अलग-अलग स्वरूप देखने को मिलते हैं। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और राष्ट्र के परम वैभव के लिए समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में भगवा ध्वज को गुरु मान कर उसका वंदन किया जाता है।

आज गुरु-शिष्य परंपरा का पुनीत पर्व गुरु पूर्णिमा है । गुरु के समक्ष विनयावनत होकर उनके प्रति अटूट श्रद्धा और आदर की अभिव्यक्ति का यह पुनीत पर्व इन दिनों सारे देश में मनाया जा रहा है। धर्मग्रंथों के अनुसार गुरु पूर्णिमा को ही भगवान शिव ने दक्षिणामूर्ति के रूप में ब्रह्मा के चार मानस पुत्रों को वेदों का ज्ञान प्रदान किया था।

महाभारत के रचयिता महर्षि वेदव्यास का जन्म भी गुरु पूर्णिमा को हुआ था। बौद्ध धर्म की मान्यताओं के अनुसार गुरु पूर्णिमा के दिन ही सारनाथ में अपने शिष्यों को प्रथम उपदेश दिया था। गुरु पूर्णिमा को धर्मचक्र का प्रवर्तन हुआ। धर्मग्रंथों में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु, शिव और परब्रह्म कहा गया है।

ध्यान का मूल गुरु की मूर्ति में है, पूजा का मूल गुरु के चरणों में है, मंत्र का मूल गुरु के शब्दों में है और गुरु की कृपा हो जाए तो मोक्ष का मार्ग प्रशस्त हो सकता ।गुरु ही अपने शिष्य को ईश्वर का ज्ञान कराता है। गुरु की कृपा के बिना जीवन की सार्थकता अकल्पनीय है। किसी शिष्य के पास सब कुछ होने के बाद भी अगर उसे गुरु कृपा की आकांक्षा नहीं है तो उसे अपने जीवन में पूर्णता की अनुभूति नहीं हो सकती। संसार में जितने भी महापुरुष हुए हैं उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय गुरु को दिया है।

गुरु शिष्य परंपरा में भी त्याग और समर्पण की प्रधानता प्रदान की गयी है।

सम्राट चंद्रगुप्त ने आचार्य चाणक्य, शिवाजी महाराज ने समर्थ गुरु रामदास , और स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण परमहंस का शिष्य बन कर ही अखिल विश्व में अपार यश और कीर्ति अर्जित की। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है।

गुरु के अंदर मनुष्य को ईश्वर से जोड़ने की सामर्थ्य होती है। गुरु ही अपने शिष्य का ईश्वर से साक्षात्कार कराता है इसीलिए कहा गया है कि

गुरु गोविंद दोऊ खड़े,
काके लागूं पाय।
बलिहारी गुरु आपकी
गोविंद दियो बताय।।

गुरु जीवन भर मनुष्य को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। गुरु के बिना मनुष्य अपने जीवन में पूर्णता की अनुभूति नहीं कर सकता। गुरु अपने शिष्यों को गलत मार्ग पर चलने से रोकता है। गुरु अपने शिष्य पर आयी विपत्ति को अपने ऊपर लेकर उसके जीवन को निरापद बना देता है लेकिन शर्त केवल यही है कि गुरु के प्रति शिष्य की श्रद्धा और विश्वास अटूट होना चाहिए।

शिष्य का गुरु के प्रति सम्पूर्ण समर्पण और शिष्य के लिए गुरु के सर्वस्व त्याग से गुरु शिष्य परंपरा का निर्वाह होता शिष्य के सर्वांगीण विकास के लिए शिष्य को शिक्षा के साथ जो उत्तम संस्कार प्रदान करते हैं, वे जीवन भर उसके काम आते हैं।

गुरु से प्राप्त शिक्षा और संस्कार शिष्य की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। गुरु की महिमा को शब्दों की सीमा में बांधना असंभव है।

सात समुंद की मसि करूं लेखनि
सब बनराइ,
धरती सब कागद करूं गुरु गुण
लिखा न जाई।

गुरु की महिमा अपार है। अगर सातों समुद्रों के जल की स्याही बना ली जाए,वन की सभी टहनियों की कलम बना ली जाए और सारी धरती को कागज का रूप दे दिया जाये, तब भी गुरु की महिमा का बखान करना संभव नहीं है।

कबीर दास कहते हैं कि :-

कबिरा ते नर अंध हैं
गुरु को कहते और।
हरि रूठे गुरु ठौर है
गुरु रूठे नहिं ठौर।।

अर्थात अगर ईश्वर रूठ जाये तो आप गुरु की शरण में जाकर अपनी भूल सुधार सकते हैं, लेकिन अगर गुरु रूठ जाएं तो आपको कहीं शरण नहीं मिल सकती। गुरु को नाराज करने के बाद मनुष्य जिस मुश्किल का सामना करने के लिए विवश हो जाता है, उससे बाहर निकलने का रास्ता और कोई नहीं बता सकता।

गुरु पूर्णिमा अपने उस गुरु के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का दिन है जिसके ऋण से कोई शिष्य कभी मुक्त नहीं हो सकता। शिष्य अपने जीवन में जो सम्मान, शोहरत और यश अर्जित करता है, उसमें सबसे बड़ी भूमिका गुरु की दी हुई शिक्षा और उत्तम संस्कारों की होती है। गुरु अपने शिष्य से इसके बदले में कोई अपेक्षा नहीं रखते। वे केवल इतना चाहते हैं कि उनका शिष्य कभी उनके बताए रास्ते से विमुख न हो।

शिष्य जब जीवन में सफलता के शिखर की ऊंचाईयों को स्पर्श करता है तो गुरु से अधिक प्रसन्नता किसी को नहीं होती। शिष्य की सफलता से गुरु को यह अनुभूति होती है कि उसकी दी शिक्षा सार्थक हो गयी। गुरु और शिष्य का संबंध आजीवन बना रहता है। जो शिष्य यह मान लेता है कि अब वह जिस मुकाम पर पहुंच गया है, वहां उसे गुरु की परोक्ष आवश्यकता भी नहीं है वहीं से उसका पराभव प्रारंभ हो जाता है। सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद अगर शिष्य के अंदर अहंकार जागृत हो जाये, तो गुरु उसके अहंकार को तोड़ कर उसे वास्तविक धरातल पर ले आता है, ताकि वह अहंकार शिष्य की उन्नति के मार्ग में बाधा न बन सके। इतिहास में ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है।

इसलिए गुरु अपने शिष्य को समय समय पर सचेत भी करते हैं और इस प्रक्रिया में उन्हें अपने प्रतिभाशाली शिष्य के प्रति कठोर भी होना पड़ता है। गुरु की इस कठोरता से शिष्य के व्यक्तित्व और कृतित्व में और निखार आता है।

गुरु पूर्णिमा के पुनीत पर्व पर सारे देश में श्रद्धा पूर्वक गुरु वंदना करके और शिष्य अपने गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। देश में विभिन्न स्थानों इस आयोजन के अलग-अलग स्वरूप देखने को मिलते हैं। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और राष्ट्र के परम वैभव के लिए समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में भगवा ध्वज को गुरु मान कर उसका वंदन किया जाता है। भगवा ध्वज को त्याग और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। गुरु शिष्य परंपरा में भी त्याग और समर्पण की प्रधानता प्रदान की गयी है।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक हैं। डिसक्लेमर : ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।)

कोल्हान की खबरें

बिजली विभाग की लापरवाही टूटने की स्थिति में पहुंचा खंभा

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। राज स्टेट फुटबॉल मैदान के समीप बड़ाम बाबा पूजा स्थल के पास जर्जर हालत में खड़ा बिजली का खंभा किसी भी वक्त हादसे को न्योता दे सकती है। यह खंभा पूरी तरह सड़कर टूटने की स्थिति में पहुंच चुका है। जबकि इसके ऊपर से 11,000 वोल्ट का विद्युत प्रवाहित तार गुजर रहा है। जर्जर खंभे से सटे ट्रांसफार्मर से आसपास के इलाके में बिजली की आपूर्ति की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है यह इलाका भीड़भाड़ वाला है और यहां से रोजाना बच्चों, बुजुर्गों व राहगीरों का आना-जाना लगा रहता है। मैदान में नियमित रूप से बच्चे खेलते हैं और 15 अगस्त व 26 जनवरी जैसे सरकारी आयोजन भी यहीं होती हैं।ग्रामीणों ने बताया कई बार इस खतरे की जानकारी बिजली विभाग को दी गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का आरोप है विभाग के अधिकारी तब ही जागेंगे जब कोई बड़ी जान-माल की क्षति हो। इसके अलावा, बड़ाम बाबा पूजा स्थल के पास 440 वोल्ट के तार पर झाड़ियां लटक रही हैं, जो बरसात के मौसम में और भी खतरनाक हो गई हैं। लोगों ने आशंका जताया कभी भी कोई व्यक्ति या पशु इन तारों के संपर्क में आकर करंट की चपेट में आ सकते है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से शीघ्र कार्रवाई करते हुए जर्जर खंभे को बदलने और तारों से झाड़ियां हटाने की मांग की। ताकि संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

चांडिल में प्रवीन महतो पर जानलेवा हमला कारवाई की मांग

चांडिल (आजाद सिपाही)। सरायकेला खरसावां जिले के चांडिल थाना अंतर्गत भुइयांडीह गांव में रांची लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी व सामाजिक कार्यकर्ता प्रबीन चंद्र महतो पर जानलेवा हमला होने का एक मामला प्रकास में आया है।आरोप संतोष लायेक, चंद्रकांत लायेक और मंगल लायेक पर लगा है, जबकि हमले के पीछे पूर्व जिला परिषद सदस्य ओम प्रकाश लायेक की भूमिका बताई जारही है। प्रबीन महतो ने उन पर अवैध जमीन कारोबार और सीएनटी-एसपीटी एक्ट उल्लंघन का आरोप लगाया। हमले में बीच-बचाव करने आई पद्मावती महतो के साथ भी मारपीट हुई। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

टाटा स्टील को इंडियन सर्कुलर इकोनॉमी फोरम ने लार्ज एंटरप्राइज श्रेणी में एसीइ अवार्ड से किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा स्टील को इंडियन सर्कुलर इकोनॉमी फोरम द्वारा 'लार्ज एंटरप्राइज' श्रेणी में एसीई अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान औद्योगिक कार्यों में सर्कुलर इकोनॉमी सिद्धांतों और सस्टेनेबल अभ्यासों को बड़े पैमाने पर अपनाने में कंपनी के उत्कृष्ट नेतृत्व को मान्यता देता है ।यह पुरस्कार दिल्ली एनसीआर में आयोजित समारोह में टाटा स्टील की ओर से दीपंकर दासगुप्ता (एग्जीक्यूटिव-इन-चार्ज, इंडस्ट्रियल बाय-प्रोडक्ट्स मैनेजमेंट डिवीजन), अमित रंजन (सीओएमएस, आईबीएमडी), अमित कुमार महतो (हेड-मार्केटिंग एंड बिजनेस डेवलपमेंट, आईबीएमडी) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने प्राप्त किया। टाटा स्टील लौह एवं इस्पात उद्योग में शून्य अपशिष्ट लक्ष्य के साथ इंडस्ट्रियल बाय-प्रोडक्ट्स से मूल्य सृजन में अग्रणी है। यह कार्य एक समर्पित प्रॉफिट सेंटर इंडस्ट्रियल बाय-प्रोडक्ट मैनेजमेंट डिवीजन (आइबीएमडी) के माध्यम से किया जाता है। जो सर्कुलर इकोनॉमी के तीन आर सिद्धांतों पर आधारित है ।टाटा समूह की आलिंगना पहल के तहत टाटा स्टील वर्ष 2045 तक नेट जीरो लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इंडियन सर्कुलर इकोनॉमी फोरम ने कंपनी के सस्टेनेबल अभ्यासों और अपशिष्ट प्रबंधन में अग्रणी भूमिका की सराहना की।

घाटशिला में दैनिक मजदूर की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। बिहार के दरभंगा जिले के रहने वाले दैनिक मजदूर पवन मार्डी का अचानक तबीरत खराब होने से सड़क किनारे मौत हो गया। मंगलवार शाम लगभग 5 बजे साइकिल से घर लौटते समय वह सड़क किनारे बैठ गया और कुछ ही देर में दम तोड़ दिया। जिला परिषद सदस्य कर्ण सिंह ने मौके पर पहुंचकर पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। अनुमंडल अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पवन मार्डी भादुड़ीह गांव में अपनी बहन के घर रहकर काम करता था। परिवार को सूचना देकर शव की पहचान करायी गयी।

मजदूरों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। सुरदा माइंस में प्रथम पाली के दौरान कार्यरत मजदूरों ने झारखंड राज्य निमार्ता सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और जननायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मजदूरों ने कार्य स्थल पर 2 मिनट का मौन धारण कर दिवंगत नेता के आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहें के नारों के साथ उन्हें याद किया। मौके पर मजदूर प्रतिनिधि सुभाष मुरमू, दाखिन हांसदा, सुनील हेम्ब्रम, सुनील मुरमू समेत कई मजदूर मौजूद रहे।

नीमडीह में पत्थर खनन करते जेसीबी को ग्रामीणों ने पकड़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

नीमडीह। सरायकेला-खरसावां जिले के झिमड़ी स्थित सोना डूंगरी में ग्रामीणों ने देर रात अवैध पत्थर खनन करते पकड़ लिया। मौके पर ट्रक और जेसीबी को रोककर पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद दोनों वाहन को जब्त किए गए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया सफेद ग्रेनाइट का अवैध खनन लंबे समय से प्रशासनिक संरक्षण में हो रहा है। संबंधित अधिकारियों को भुगतान किया जाता है। नीमडीह पुलिस ने मामले की जांच के लिए अंचलाधिकारी को आवेदन सौंपा है। जिला खनन पदाधिकारी को भी जानकारी दी गई है। ग्रामीणों ने तत्काल खनन रोकने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना प्रशासनिक विफलता को उजागर करती है, क्योंकि हाल ही में डीसी ने अवैध खनन रोकने के निर्देश दिए थे।

आदित्यपुर में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। लघु उद्योग भारती और आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्री एसोसिएशन की ओर से एशिया भवन सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मंगलवार को उद्यमियों और पदाधिकारियों ने एक मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। वक्ताओं ने कहा दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड की अस्मिता, अधिकार और सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष के प्रतीक थे। उद्योग जगत उनके योगदान को सदैव याद रखेगा। मौके पर इंदर कुमार अग्रवाल, संतोष खेतान, प्रवीण गुटगुटिया, दशरथ उपाध्याय, राजीव रंजन मुन्ना, संजय सिंह, विनोद शर्मा, स्वपन मजूमदार, राजकुमार संघी सहित कई पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 06 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को गढ़वावासियों ने दी श्रद्धांजलि

गुरुजी का संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा : प्रमुख दीपमाला

विमला देवी स्मृति भवन में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को झामुमो कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल । राज्य सभा सांसद और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन पर मंगलवार को मेराल प्रखंड मुख्यालय स्थित विमला देवी स्मृति भवन में प्रखंड झामुमो द्वारा आयोजित शोक सभा में पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए गुरूजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दशरथ प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए प्रखंड प्रमुख दीपमाला कुमारी ने कहा कि गुरुजी का संपूर्ण जीवन जनहित, सामाजिक न्याय और झारखंड की अस्मिता के लिए समर्पित रहा। उन्होंने जिस दृढ़ता से आदिवासी समुदाय के अधिकारों तथा समाजिक एकता की लड़ाई लड़ी। उनका संघर्ष, आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा में प्रखंड अध्यक्ष सूर्य प्रकाश, संजय भगत, मुखिया मनदीप सिंह, हरेंद्र चौधरी, अजय प्रसाद गुप्ता, बिनोद प्रसाद, हेमंत कुमार, राजेश कुमार बैठा, ज्ञान रंजन मिश्रा, नवीन कुमार जायसवाल, प्रमोद कुमार गुप्ता, अनुज कुमार, पंचम कुमार, कामेश्वर सिंह, जगजीवन राम, चंदु बैठा, मुन्नी यादव, सुनील बैठा, मंदीप पासवान, राजु पासवान, लक्ष्मी विश्वकर्मा, मो. साहेब अंसारी, जहुर रंगसाज, राहुल यादव तथा विभिन्न पंचायतों के पार्टी पदाधिकारी एवं सदस्य व कई ग्रामीण शामिल थे।

विद्या मंदिर केतार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

केतार (आजाद सिपाही)। झारखंड की राजनीति के एक युग का अंत हो गया। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद, झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और जनजातीय समाज के मसीहा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर ने पूरे राज्य को शोक में डूबो दिया है। केतार प्रखंड अंतर्गत सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सोमवार श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा की शुरूआत 2 मिनट के मौन व्रत से हुई। जिसमें सभी उपस्थित शिक्षकों छात्र-छात्राओं और विद्यालय परिवार ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य मनोज कुमार गुप्ता ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन ना केवल एक राजनेता थे, बल्कि वे राज्य की आत्मा थे जिन्हें हम सभी ने खो दिया। उनका जीवन संघर्षों में सिद्धांत की जीत और जन सेवा की मिसाल है। आगे उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन एक जमीनी नेता थे, जिन्होंने आदिवासी समाज, दलित, वंचित और शोषण के अधिकार के लिए हमेशा संघर्ष किया, चाहे वे झारखंड के मुख्यमंत्री रहें हो या केंद्र सरकार में मंत्री, उनका संपूर्ण जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने के लिए समर्पित रहा। शोक सभा में उपस्थित प्रधानाचार्य मनोज गुप्ता शिक्षक दीनानाथ आचार्य जी, आदित्य, रमेश, श्याम बिहारी जी, मीना कुमारी, सविता कुमारी, श्वेता कुमारी, चंदा कुमारी, गीतांजलि कुमारी सहित विद्यालय परिवार उपस्थित थे।

बीडीएसयू में शोकसभा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सदस्य शिबू सोरेन के निधन पर बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में शोकसभा का आयोजन किया गया। शोक संदेश में वक्ताओं ने कहा कि शिबू सोरेन ने न केवल आदिवासी समाज के अधिकारो के लिए लड़ाई लड़ी बल्कि अलग झारखंड राज्य के निर्माण में भी निर्णायक भूमिका निभायी। उनका जीवन संघर्ष, तपस्या और समर्पण का प्रतीक रहा है तथा अन्याय के खिलाफ उनकी आवाज उनके जन्मस्थल की गलियों से होकर पूरे राज्य में गूंजा। 1969-70 में नशाबंदी, साहूकारी व जमीन बेदखली के खिलाफ जनांदोलन शुरू किया, जिसने उन्हे अदिवासी समाज का नायक बनाया कसभा में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह ने कहा की दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड की आत्मा थे। उनका जीवन सामाजिक न्याय, जनजातीय अधिकारों और संघर्ष की प्रेरणा देता है साथ ही गुरु जी से मेरा व्यक्तिगत संबंध भी रहा है। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मौके पर बोलते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एम के सिंह ने कहा कि उन्होंने झारखंड राज्य की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई एवं आदिवासी समाज के हक और अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। झारखंड के निर्माण में उनकी भूमिका को हमेशा याद रखा जायेगा।

इस शोक सभा में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अजय भूषण प्रसाद, परीक्षा नियंत्रक डॉ ललन कुमार, वनांचल एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के पदाधिकारी सुभाष सिंह, प्रवीण कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह, पंकज सिन्हा एवं विभिन्न कॉलेज एवं विभाग के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए।07

गुरुजी सदैव हमारी स्मृतियों में जीवित रहेंगे : रंजनी शर्मा

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर झामुमो प्रखंड कार्यालय भवनाथपुर में शोकसभा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर मंगलवार को झामुमो प्रखंड कार्यालय में जिला परिषद सदस्य सह गढ़वा झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला नेत्री रंजनी कुमारी उर्फ रंजनी शर्मा की अध्यक्षता में शोकसभा का आयोजन किया गया। सभा में जेएमएम कार्यकर्ताओं ने दिवंगत गुरुजी की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। मौके पर रंजनी शर्मा ने कहा कि आज झारखंड समेत देश भर में फैले करोड़ों लोगों के मार्गदर्शक, दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का अंतिम दर्शन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कहा कि आंखें नम हैं, दिल गमगीन है, लेकिन आपको 'अंतिम जोहार' करना हमारे लिए संभव नहीं है। आप सदैव हमारी स्मृतियों में जीवित रहेंगे और आपके आदर्श हमें समाज के अधिकारों की लड़ाई में आगे बढ़ने की राह दिखाते रहेंगे। वहीं वरिष्ठ नेता ब्रजेश सिंह ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन अपूरणीय क्षति है। इस मौके पर प्रमुख शोभा देवी, उपप्रमुख पिंटू टोपो, भवनाथपुर मुखिया बेबी देवी, जसवंता देवी, सुषमा देवी, पूनम देवी, ललिता देवी, गोपाल उरांव, विजय राउत, उपेंद्र राउत, नागेंद्र शर्मा, उल्फत अंसारी, शिवकुमार राम, कुंदन ठाकुर, मनोज चंद्रवंशी, लालमन सिंह, नौलेश पासवान, शमशेर अंसारी, इंदु देवी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रंका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और एसके इंटरनेशनल स्कूल में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। झारखंड राज्य के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर रंका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं एस के इंटरनेशनल स्कूल में दो मिनट का मौन रख कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी और ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी। इस मौके पर स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ असजद अंसारी, डॉ गोरखनाथ पांडेय, आशा कुमारी, जीएनएम चंद्रकांती कुमारी, शीलवंती देवी तरुण विश्वास, पीएलवी समाजसेवी अमरेंद्र कुमार, चालक राजेंद्र राम, अनिल कुमार, आभा मिंज, किरण यादव, अनिल ठाकुर, गार्ड सुरेंद्र यादव, संदीप यादव, अनिल ठाकुर, डॉ नितीश परमार्थी, उत्कर्ष मिश्रा मौजूद थे। वहीं एसके इंटरनेशनल स्कूल में प्राचार्य जगत गौतम, बंटी, सुशील कुमार सहित काफी संख्या में बच्चे उपस्थित थे।

आदिवासी-मूलवासी की आवाज थे दिशोम गुरु शिबू सोरेन: जितेंद्र

रारो पंचायत सचिवालय में शोक सभा आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। प्रखंड के रारो पंचायत सचिवालय परिसर में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड आंदोलन के प्रणेता शिबू सोरेन के निधन पर एक शोक सभा आयोजित की गयी। शोक सभा में मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र ठाकुर, बीडीसी अरविंद पासवान, पूर्व उपमुखिया शिव प्रसाद यादव, वार्ड सदस्य लालमुनी पासवान, प्रेम यादव, शिवधर यादव सहित सभी उपस्थित लोगों ने शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी।

मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र ठाकुर ने अपने वक्तव्य में कहा कि दिशोम गुरु अब हमारे बिच नहीं रहे लेकिन उनकी याद और उनकी बात हमेशा के लिए याद रहेगी। उन्होंने झारखंड राज्य की स्थापना में अहम भूमिका निभायी, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। आज सिर्फ झारखंड नहीं, बल्कि पूरा देश उनके निधन पर शोक में डूबा है। शोक सभा में रामलखन यादव, शकील अंसारी, महेंद्र यादव, बिमलेश यादव, बलराम सिंह, उमेश यादव, चंदेश्वर सिंह, ज्ञानी विश्वकर्मा, प्रमानंद राम, राजू विश्वकर्मा, शशिकांत ठाकुर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बीडीएसयू में बीएचएमएस परीक्षा का परिणाम घोषित

गढ़वा (आजाद सिपाही)। बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने बीएच एमएस प्रथम वर्ष (सत्र 2023-28) के परीक्षा 2025 का परिणाम घोषित किया। इस परीक्षा मे शत प्रतिशत परीक्षार्थी पास हो गये हैं। इस परीक्षा के परिणाम में 1125 अंक लाकर संकल्प श्रीवास्तव प्रथम तथा 1071 एवं 1070 अंक लाकर क्रमशः मो० आदिल अख्तर तथा नेहा कुमारी दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इस परीक्षा फल के प्रकाशित होने पर देवकी महावीर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च हॉस्पिटल के प्राचार्य प्रो. (डॉ) केशवेन्द्र कुमार तिवारी ने बीएचएमएस प्रथम वर्ष (शैक्षणिक सत्रः 2023-24) के छात्र-छात्राओं को परीक्षा परिणाम की घोषणा के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा की यह उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। परीक्षा फल प्रकाशित होने के बाद बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह ने प्राचार्य प्रो. (डॉ) केशवेंद्र कुमार तिवारी एवं उनके विभाग के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकेतर कर्मचारियों को बधाई दी है।

बंशीधर नगर पुलिस ने 11 ऑटो जब्त किया

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। पुलिस ने मंगलवार को शहर में सड़क पर जाम लगाने, ओवर लोड सवारी बैठाने तथा बिना ड्राईविंग लाईसेंस के गाड़ी चलाने के आरोप में 11 ऑटो को जब्त किया है। इस संबंध में थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार ने बताया कि वाहन चालकों की मनमानी के कारण शहर में हमेशा जाम की स्थिति बनी हुई है। इसको लेकर हमेशा वाहन चालकों को हिदायत दी जा रही है, उसके बाद भी चालकों में सुधार नहीं हो रहा है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को भी सड़क पर जाम लगाने, ओवर लोड सवारी बैठाने तथा बिना ड्राईविंग लाईसेंस के गाड़ी चलाने के आरोप में 11 टेंपो को जब्त किया गया है।

धुरकी पुलिस ने छह वारंटियों को जेल भेजा

धुरकी (आजाद सिपाही)। धुरकी पुलिस ने बीती रात को 6 वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल दिया। इसमें मिर्चाइया गांव के गिरवर चौधरी, विष्णु धारी चौधरी, सिकंदर चौधरी, वह शिवरी गांव के हीरा भुइयां, चंद्रिका भुईयां एवं धुरकी थाना कांड संख्या 113/23 में फरार चल रहे प्राथमिक अभियुक्त धोबनी गांव के प्रदीप कुमार यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत भेजा गया।

भवनाथपुर में बारिश से कच्चा मकान ढहा

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में रुक-रुक कर हो रही बारिश के बीच मंगलवार को थाना क्षेत्र के बुका गांव स्थित तितही टोला निवासी सुलखनी देवी पत्नी सरीखा भुइया का खपरैल से बना कच्चा मकान अचानक गिर गया। गनीमत रही कि घटना के समय घर के सभी सदस्य बाहर मौजूद थे, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ। मकान गिरने से घर में रखा कपड़ा, अनाज एवं अन्य घरेलू सामान पूरी तरह मिट्टी में दब गया। पीड़ित परिवार को इस घटना से भारी नुकसान उठाना पड़ा है। घटना की सूचना मिलते ही पंचायत की मुखिया बेबी देवी मौके पर पहुंचीं और क्षतिग्रस्त मकान का जायजा लिया। उन्होंने पीड़ित सुलखनी देवी को ढांढस बंधाते हुए भरोसा दिलाया कि सरकारी प्रावधान के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की पूरी कोशिश की जायेगी। स्थानीय ग्रामीणों ने भी प्रशासन से पीड़ित परिवार को शीघ्र सहायता देने की मांग की है।

होम्योपैथिक मेडिसिन के गुणवत्ता नियंत्रण मानक को लेकर कॉलेज मीट का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय अंतर्गत देवकी महावीर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च हॉस्पिटल और एसबीएल होम्योपैथिक मेडिसिन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के सहयोग से एक सफल कॉलेज मीट का आयोजन किया गया। यह आयोजन 05 अगस्त को गुरुपद संभवराम ऑडिटोरियम में हुआ।

इस मीट का मुख्य उद्देश्य होम्योपैथिक मेडिसिन की 'गुणवत्ता नियंत्रण मानक' और होम्योपैथिक दवाओं के निर्माण में गुणवत्ता नियंत्रण के महत्व पर चर्चा करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह उपस्थित थे। उन्होंने अपने संबोधन में होम्योपैथिक विधा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

एसबीएल कंपनी से आए हुए विशिष्ट अतिथियों में डॉ. निरंजन कुमार (जर्मन होम्यो लिंक डाल्टनगंज), ए.के. नंदी (रेट), देवाशीष पटनायक (अरट), रंजीत कुमार, मनोहर और अनूप सिन्हा ने भी अपने विचार साझा किये।

कार्यक्रम के समापन में प्राचार्य प्रो. (डॉ.) केशवेंद्र कुमार तिवारी ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और सभी इंटर्न्स से होम्योपैथिक दवाइयों के प्रचार-प्रसार के माध्यम से जन जन तक पहुंचाने पर जोर दिया।

पंडी नदी की बाढ़ से हजारों एकड़ धान की फसल जलमग्न

आजाद सिपाही संवाददाता

पंडी नदी के बाढ़ में डूबा धान की फसल।

कांडी। प्रखंड के गाड़ाखुर्द पंचायत अंतर्गत कई गांवों के किसान इन दिनों बाढ़ की दोहरी मार झेल रहे हैं। पंडी नदी में आई भीषण बाढ़ के कारण गाड़ाखुर्द व नारायणपुर सहित कई गांवों के हजारों एकड़ में लगी धान की फसल बीते तीन दिनों से पूरी तरह जलमग्न है, जिससे किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है। प्रभावित किसानों में गाड़ाखुर्द के अरुण दुबे, सीताराम दुबे, ललन द्विवेदी, पृथ्वीनाथ द्विवेदी तथा नारायणपुर के राम स्वरूप मेहता, बुचुन चौधरी, सुरेश मेहता, प्रवेश चौधरी, लाल बिहारी चौधरी, विष्णु सिंह, बासुदेव सिंह, श्याम बिहारी चौधरी आदि शामिल हैं। इन सभी ने बताया कि पहले ही सोन व पंडी नदी की बाढ़ में उनके धान के बिचड़े सड़ गये थे, जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ था। बिचड़ा नष्ट होने के बाद किसानों ने कर्ज लेकर, रिश्तेदारों से सहयोग पाकर या दूर-दराज के क्षेत्रों जैसे कांडी, डूमरसोता, हैदरनगर, पांडु आदि से बिचड़ा खरीद कर खेतों में रोपाई की थी। प्रति कट्ठा 300 रुपये की दर से बिचड़ा खरीदा गया था, लेकिन अब भारी वर्षा और नदी में बढ़े जलस्तर के कारण रोपा हुआ धान भी डूब चुका है। कुछ किसानों ने रोपनी एक सप्ताह पहले ही की थी, जबकि कई किसान अब भी रोपनी कर ही रहे थे कि बाढ़ ने सब तहस-नहस कर दिया। अब किसान हताश और निराश हैं। उनका कहना है कि यदि सरकार या प्रशासन से कोई राहत नहीं मिली, तो उनके लिए इस वर्ष की कृषि पूरी तरह से चौपट हो जायेगी।

प्रधान संपादक हरिनारायण सिंह के निधन पर बीडीएसयू में शोक सभा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। लोकप्रिय हिंदी दैनिक समाचार पत्र 'आजाद सिपाही' के प्रधान संपादक हरिनारायण सिंह के निधन पर बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के सभागार में शोकसभा का आयोजन किया गया। शोक संदेश में कहा गया कि स्व० सिंह एक निर्भीक, निष्पक्ष और समर्पित पत्रकार थे। उनकी लेखनी ने सदैव सत्य और जनहित की बात की। उन्होंने पत्रकारिता को एक मिशन के रूप में जिया और समाज के वंचित वर्गों की आवाज को सशक्त मंच प्रदान किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह ने कहा कि उनके असामयिक निधन से पत्रकारिता जगत को अपूरणीय क्षति पहुंची। वे एक सशक्त पत्रकारिता के प्रतीक थे और उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एम के सिंह ने कहा की मेरा व्यक्तिगत संबंध रहा हैं। वे अपने लेखनी से हमेशा समाज के ज्वलंत मुद्दों को उठाया और पत्रकारिता को नई दिशा दी। सभा में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी।

इस शोक सभा में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अजय भूषण प्रसाद, परीक्षा नियंत्रक डॉ ललन कुमार, वनांचल एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के पदाधिकारी सुभाष सिंह, प्रवीण कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह, पंकज कुमार सिन्हा एवं विभिन्न कॉलेज एवं विभाग के प्राचार्य, शिक्षकगण उपस्थित हुए।

केतार : भव्य कांवर यात्रा निकाली गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

केतार। अंतिम सोमवारी के पावन अवसर प्रखंड क्षेत्र में प्रखंड क्षेत्र के सुप्रसिद्ध श्री सूर्य मंदिर नारायण वन मुकुंदपुर स्थित भोलेनाथ पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। वहीं भव्य कांवर यात्रा निकाली गयी। कांवर यात्रा में हजारों भोलेनाथ के भक्तों ने बाबा भोलेनाथ की जलाभिषेक किया। हर हर भोला, हर हर महादेव एवं भोलेनाथ के जयकारा से वातावरण भक्तिमय हो गया। इस कांवर यात्रा में भोलेनाथ एवं मां पार्वती, भूत बैताल, नाग देवता की झांकी निकाली गयी। भवनाथपुर शिव पहाड़ी गुफा मंदिर विकास समिति के तत्वधान में केतार स्थित पंडा एवं ढाढरा नदी के संगम से जल उठाकर भगवान घाटी होते हुए भवनाथपुर स्थित ऐतिहासिक शिव पहाड़ी गुफा में अवस्थित भोलेनाथ पर भक्तों ने जलाभिषेक किया। मौके पर जल यात्रा में शामिल जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी, भवनाथपुर जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा, केतार मुखिया प्रमोद कुमार, बलिगढ़ पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मनोरंजन प्रसाद गुप्ता, पंडरिया पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अनिल चौबे, चपरी मुखिया शैलेश चौबे ,शिव पहाड़ी मंदिर समिति के अध्यक्ष ब्रजेश कुमार गुप्ता, सचिव रामविजय साह, संरक्षक बबन साह, मोहन साह, इंद्रजीत, सुदिप, मिथलेश, दिपू सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अंतिम सोमवारी पर डॉ दिनेश सिंह ने किया जलाभिषेक

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के शिव ढोढा स्थित प्रसिद्ध शिव मंदिर परिसर में सावन माह की अंतिम सोमवारी के अवसर पर भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. दिनेश सिंह ने की। डॉ.दिनेश सिंह ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं आरोग्यता की कामना की। डॉ. दिनेश सिंह ने कहा कि सावन मास भगवान शिव को समर्पित है और इस पावन अवसर पर ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मकता और भक्ति भाव को बढ़ाते हैं। इस आयोजन में सीएचसी के डॉ. नीतीश भारती, डॉ. इंद्रकिशोर विश्वकर्मा, लेखा प्रबंधक प्रदीप पाठक, अनूप गुप्ता, सीपी यादव, सुनील, अनुज, अमोद, ब्रजेश समेत कई ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 06 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in
08

खूंटी के डेविड मुंडा और अजीत नाग का चयन भारतीय रग्बी टीम में

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। राजगीर, बिहार में नौ एवं 10 अगस्त को आयोजित एशिया रग्बी अमीरात अंडर 20 चैंपियनशिप के लिए खूंटी के डेविड मुंडा और अजीत नाग का चयन भारतीय टीम में किया गया है। यह जानकारी झारखंड रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के महासचिव हेजाज असदक ने दी। उन्होंने बताया कि अजीत नाग का चयन अंडर 18 नेशनल चैंपियनशिप और डेविड मुंडा का चयन सीनियर नेशनल चैंपियनशिप के दौरान राष्ट्रीय शिविर के लिए किया गया था। गत दो जुलाई से कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय शिविर में उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त किया और अंतिम 12 में अपना स्थान सुनिश्चित करने में सफल रहे। ज्ञात हो कि डेविड मुंडा तीसरी बार भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। इससे पूर्व काठमांडू तथा चायनीज ताइपे में अंडर 18 एशिया रग्बी चैंपियनशिप में उन्होंने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था, जबकि अजीत नाग दूसरी बार भारतीय टीम में शामिल किए गए हैं। पूर्व में उन्होंने मलेशिया में आयोजित एशिया रग्बी चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था। दोनों खिलाड़ियों की इस सफलता से खूंटी एवं झारखंड के युवा रग्बी खिलाड़ियों में काफी उत्साह है। भारतीय टीम में उनका चयन होने पर झारखंड रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष विष्णु कुमार जलान, वरीय उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह, सुरेश कुमार, महासचिव हेजाज असदक, कोषाध्यक्ष सुनील गुप्ता, संयुक्त सचिव शशि पांडेय शादाब खान, सचिन कुमार सहित अन्य खेल प्रेमियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

एके-47 हथियार की जिंदा गोली के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

टीएसपीसी उग्रवादी संगठन का बताया गया गोली, जांच में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

जिंदा गोली के साथ गिरफ्तार किया गया अपराधी।

7.62 एमएम की जिंदा 83 पीस गोली।

पिपरवार। नक्सल विरोधी अभियान के खिलाफ पिपरवार पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। पिपरवार पुलिस ने विशेष छापेमारी अभियान चलाकर एके-47 हथियार के जिंदा गोली के साथ एक अपराधी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जब्त किये गये जिंदा गोली नक्सली संगठन टीएसपीसी का बताया जा रहा है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान मनोज तिग्गा पिता लिबनुस तिग्गा ग्राम खंधार थाना पोस्ट बहेरा थाना पिपरवार जिला चतरा के रूप में की गयी है। इस संबंध में पिपरवार थाना प्रभारी अभय कुमार ने बताया कि चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल को गुप्त सूचना मिली थी कि पिपरवार थाना क्षेत्र के ग्राम खंधार मे मनोज तिग्गा नामक व्यक्ति के घर में अवैध हथियार और गोली छुपा कर रखा गया है, जो नक्सली संगठन टीएसपीसी उग्रवादी संगठन के सदस्य के द्वारा उसे दिया गया है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं गिरफ्तारी के लिए, टंडवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल ने 5 अगस्त की रात्रि मनोज तिग्गा को गिरफ्तार किया गया और उसके निशानदेही पर घर में छुपा कर रखे गये एके-47 हथियार का 7.62 एमएम की जिंदा 83 पीस गोली को बरामद किया गया। थाना प्रभारी अभय कुमार ने बताया कि पिपरवार थाना में कांड संख्या 23/25 दिनांक 05/08/2025 धारा 25 (1-ऐ), 25 (1-बी) ऐ 26/35 आर्म्स एक्ट और 17 सीएलए एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार अपराधी को चतरा जेल भेज दिया गया है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रभात रंजन बरवार, पिपरवार थाना प्रभारी अभय कुमार, अवर निरीक्षक सुरेंद्र उपाध्याय, सहायक अवर निरीक्षक बसंत कुमार महतो, शंभू यादव, संतोष यादव सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। कर्रा तोरपा मुख्य पथ पर तोरपा थाना क्षेत्र के कसमार में मंगलवार की रात हुई सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार दोनों युवक स्कूटी जेएच01इजे से बाला मोड़ से तोरपा की ओर आ रहे थे। कसमार गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने स्कूटी को ठोकर मार दी। इससे घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गयी। मृतकों की पहचान संत जोसेफ कॉलेज तोरपा के छात्र अरविंद कंडुलना उम्र 17 वर्ष और दूसरे की शिनाख्त रनिया थाना क्षेत्र के बलंकेल बाड़ा टोली निवासी बुका मुंडा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर तोरपा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों शवों को थाना ल आयी। बुधवार को सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया जायेगा। पुलिस ने शव को थाना लेकर आयी। बुधवार को सदर अस्पताल में दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

जलाभिषेक के लिए डाक बमों का जत्था रवाना

सिल्ली/ मुरी (आजाद सिपाही)। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत मंगलवार के दिन सावन महीना में विभिन्न गांवों से देवघर और बासुकीनाथ धाम में जलाभिषेक को लेकर डाक बमों का जत्था श्रद्धा और उल्लास के साथ मुरी स्टेशन से ट्रेन से रवाना हुआ। कांवरियों के इस जत्था में चितरंजन मंडल, सागर राम महतो, सुनील नायक, प्रद्युम महतो, धीरेंद्र कुमार महतो, विष्णु प्रजापति, लखीराम मांझी, अविनाश कोईरी, ब्रजेश कुमार, ब्रजेश कुम्हार, सचिन महतो, राहुल महतो, विमल महतो, विनय महतो, निबास महतो, बबलू महतो, कालीचरण महतो, लखन महतो, बबलू साहू, आकाश साहू, बासु महतो सहित कई श्रद्धालु शामिल रहे। श्रद्धालुओं ने बताया कि जत्था सर्वप्रथम सुल्तानगंज पहुंचकर गंगा नदी में स्नान कर पवित्र गंगा जल भरकर संकल्प के साथ जलाभिषेक के लिए देवघर जायेंगे और अपनी साधना पूर्ण करेंगे।

नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

खूंटी (आजाद सिपाही)। रनिया थाना क्षेत्र के किशुनपुर गांव से मंगलवार को थॉमस डाहंगा नामक दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थॉमस के खिलाफ नाबालिग छात्रा के परिजनों ने रनिया थाने में मामाला दर्ज कराया था। मामले की पुष्टि करते हुए रनिया के थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल ने कहा कि पीड़िता के अनुसार 32 वर्षीय थॉमस फरवरी माह से उसका शारीरिक शोषण करता आ रहा है। इससे नाबालिग छात्रा पांच माह की गर्भवती हो गयी है। पीड़िता 10वीं कक्षा की छात्रा है। आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए थॉमस डाहंगा को किशुनपुर के उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। उसे बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जायेगा। थॉमस ने पुलिस के समक्ष अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने पीड़िता की सुरक्षा तथा उपचार की व्यवस्था करते हुए उसे मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेज दिया है। साथ ही घटना की जानकारी सीडब्ल्यूसी और डालसा, खूंटी को भी दी गयी है, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

जनता मजदूर संघ के बैनर तले प्राइवेट वाहन चालकों का आठ को धरना-प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के अंतर्गत चलने वाले प्राइवेट वाहन चालकों के द्वारा जनता मजदूर संघ के बैनर तले आगामी 8 अगस्त को पिपरवार महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जायेगा। इसको लेकर जनता मजदूर संघ के द्वारा मंगलवार को पिपरवार महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के मध्यम से बताया गया कि 21 जुलाई 2025 को प्राइवेट वाहन चालकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक मांग पत्र प्रबंधन को सौंपा गया था। इसके बाद 28 जुलाई को महाप्रबंधक कार्यालय में प्रबंधन और वाहन चालकों की वार्ता जनता मजदूर संघ के नेतृत्व में हुई। वार्ता में प्रबंधन के द्वारा एक सप्ताह का समय लिया गया था, लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद अभी तक मांगों को पूरा नहीं किया गया, जिसके कारण प्राइवेट वाहन चालकों में रोष व्याप्त है। प्राइवेट वाहन चालकों में बढ़ते आक्रोश को देखते हुए 8 अगस्त को पिपरवार महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया जायेगा। यदि इसके बावजूद मांगे पूरी नहीं हुई तो वाहन चालकों के द्वारा उग्र आंदोलन किया जायेगा। वाहन चालकों की मुख्य मांगों मे वाहन चालकों को एचपीसी के तहत न्यूनतम मजदूरी का भुगतान करने, भीटीसी, सीएमपीएफ और पेंशन की सुविधा देने, वाहन चालकों को ड्रेस कोड व उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने, वाहन चालकों को मेडिकल सुविधा एवं हाजिरी बनाने सहित अन्य मांगे शामिल है। इस मौके पर जनता मजदूर संघ के पदाधिकारी के अलावा स्थानीय वाहन चालक मौजूद थे।

कॉलेज मोड़ से गितिलडीह तक जाने वाली सड़क जर्जर, ग्रामीण परेशान

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू। बुंडू प्रखंड के ताऊ पंचायत के कॉलेज मोड़ से गितिलडीह तक जाने वाली सड़क काफी जर्जर हो गयी है। जिससे लोगों को आगमन में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। यह सड़क 2015 में बनी थी, लेकिन बनते ही उखड़ने लगी। हालात ये है कि दिन के उजाले में भी पैदल चलना मुश्किल हो गया है। बुंडू के कॉलेज मोड़ में कई स्कूल तथा शिक्षण संस्थान हैं। वहीं बालाडिंग के पास घुटने भर गड्ढा हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि विधानसभा चुनाव के पूर्व विधायक ने मुरुम मिट्टी सड़क में डलवाया गया था। अब सड़क पर गड्ढे होने से लोगों को आगमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में सड़क की स्थिति और दयनीय हो गयी है। एम्बुलेंस या किसी अन्य गाड़ी को हुमटा गांव तक ले जाना मुश्किल हो गया है। बच्चों को स्कूल जाने में भी परेशानी हो रही है, लेकिन इस सड़क की कायाकल्प अब तक नहीं हो पायी है।

बुंडू प्रखंड के ताऊ पंचायत के कॉलेज मोड़ से गितिलडीह तक जाने वाली सड़क का हाल।

सिल्ली में लाखों रुपये के गहने ले भागे उच्चके

आजाद सिपाही संवाददाता

सिल्ली। प्रतिदिन की तरह सिल्ली मेन रोड स्थित बबलू ज्वेलर्स संचालक किशन गुप्ता अपने घर से अपने स्कूटी से दुकान पहुंचे तथा दुकान खोल कर आभूषण से भरा बैग दुकान के बैंच पर रख कर साफ सफाई कर रहे थे। साफ सफाई करने के बाद बगल में झाडू रखने गये तब तक इधर उच्चके ने बैग ले भागे। पास के दुकान में काम करने वाले एक युवक ने देखा दो युवक बैग लेकर बाइक पर जा रहे थे। कुछ समझ पाता तब तक काफी देर हो चुकी थी। घटना की सूचना पर सिल्ली पुलिस पहुंच कर मामले की छानबीन कर रही है। कुछ दूरी पर एक दुकान के सीसीटीवी को खंगाला गया, उसमें दो युवकों को बैग ले जाते हुए देखा गया। कितना लागत की गहना की चोरी हुई है इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं हो पाया है।

कंचनजंगा इंटरनेशनल स्कूल में नये प्राचार्य का स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

मैकलुस्कीगंज। मैकलुस्कीगंज स्थित कंचनजंगा इंटरनेशनल विद्यालय बकुलियाटांड में मंगलवार को सामुएल टोप्पो ने नये प्राचार्य के रूप में पदभार ग्रहण किया। मौके पर विद्यालय के निदेशक कमल मुंडा मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर विद्यालय परिसर स्थित प्राचार्य स्वागत में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सभी शिक्षकगण, शिक्षकेत्तर कर्मी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यभार ग्रहण करने के बाद ने प्राचार्य ने कहा कि वे बेल्जियम, नीदरलैंड, इंग्लैंड, जर्मनी के शैक्षणिक संस्थानों में अपनी सेवा दे चुके हैं, कोविड के दौरान देश लौटा और सेवाएं देश में देने का संकल्प लिया। कहा कि वे कंचंजनगा विद्यालय की अकादमिक गुणवत्ता व प्रशासनिक दक्षता को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों तथा शिक्षकेत्तर कर्मियों ने को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस दौरान उन्हें अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। मौके पर विनय कुमार सिन्हा, संतोष मुंडा, स्टीफन कुजूर, धर्मशील कुजूर, काजल मिंज, नेहा कुमारी, किरन कुमारी, नेहा मिंज सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

खूंटी के पत्रकार मुजफ्फर हुसैन 'प्रिंस' का निधन, लोगों ने जतायी संवेदना

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी के पत्रकार मुजफ्फर हुसैन 'प्रिंस' (54 वर्ष) का सोमवार की देर रात बीमारी से निधन हो गया। मंगलवार सुबह उनके असामयिक निधन का समाचार फैलते ही क्षेत्र के पत्रकारों के साथ ही आमजनों में शोक की लहर दौड़ गयी। बड़ी संख्या में लोग उनके मेलाटाड़ स्थित आवास पर पहुंचे और अपनी संवेदना प्रकट की।

तोरपा में 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन शुरू

खूंटी (आजाद सिपाही)। तोरपा के मेन रोड स्थित बजरंग बली मंदिर में 24 घंटे का अखंड कीर्तन और हरिनाम जाप मंगलवार की शाम पांच बजे से शुरू हो गया। इसका समापन बुधवार की शाम को होगा। सावन महीने में रामनवमी महासमिति हर वर्ष सावन के पावन महीने में अखंड कीर्तन आयोजन किया जाता है। कीर्तन के पूर्व सावन पूजन किया गया। समापन के मौके पर खीर प्रसाद का वितरण किया जायेगा। मंगलवार को हरि कीर्तन के महामंत्र हरे राम हरे राम, राम राम हरे-हरे, हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे-हरे की गूंज से पूरा इलाका भक्तिमय हो गया। हरि कीर्तन में बच्चे, बुजुर्ग और महिलाओं ने भी कीर्तन मंडलियों के साथ धुनों पर हरे कृष्ण हरे राम का उच्चारण करते रहे। हरि कीर्तन में विभिन्न जगहों की सात कीर्तन मंडलियां भाग ले रही है। इसके सफल आयोजन में रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष अमित जायसवाल, प्रदीप भगत, रूपेश गुप्ता, पवन जायसवाल, चीकू जायसवाल, रामजन्म सोनी, सुबोध जायसवाल, निशांत जायसवाल, पवन गुप्ता, सुभाष जायसवाल, धीरज साव सहित कई लोग योगदान दे रहे हैं।

शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष और सेवा का प्रतीक थाः मुकेश जायसवाल

खूंटी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने दिशोम गुरु को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। झारखंड आलग राज्य आंदोलन के प्रणेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को खूंटी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने सानीय भगत सिंह चौक पर मंगलवार की शाम भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर आयोजित शोकसभा में चैंबर के पदाधिकारियों और व्यवसायियों ने गुरुजी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को नमन किया। लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति की कामना ईश्वर से की। मौके पर चैंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव मुकेश जायसवाल ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष और सेवा का प्रतीक था। उन्होंने आदिवासी, मूलवासी और शोषित वर्ग के हक-अधिकार के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया। झारखंड राज्य का गठन उनकी दूरदृष्टि और कुशल नेतृत्व का परिणाम है। उनके योगदान को झारखंड के लोग हमेशा याद रखेंगे। उनका निधन झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। मौके पर चैंबर के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह, कोषाध्यक्ष अनूप साहू, कार्यकारी सदस्य संतोष साहू, विश्वजीत देवघरिया, जितेंद्र कश्यप, संजीव चौरसिया, अमितेश भगत, प्रशांत भगत, सुनील साहू, रवींद्र कुमार, छोटू भगत, रवि चौधरी, राजकुमार गुप्ता, परमानंद कश्यप, काशीनाथ महतो, दीपक सिंह, विपिन, विजय सोमानी, गिरीश, पूर्णेंदु, अशोक भगत सहित शहर के कई व्यवसायी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रैयत विस्थापित मोर्चा ने किया शोकसभा

खलारी (आजाद सिपाही)। रैयत विस्थापित मोर्चा के द्वारा डकरा स्थित मोर्चा कार्यालय में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोकसभा का आयोजन किया गया। मोर्चा के एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता की अध्यक्षता में दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी। मोर्चा के एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड के महानायक थे। उन्होंने गरीबों, शोषितों और वंचितों के हक अधिकार को लेकर उन्होंने निरंतर संघर्ष किया। झारखंड को अलग राज्य दिलाने में उनकी अहम भूमिका है। इस मौके पर जगरनाथ महतो, अमृत भोगता, नरेश गंझू, विनय खलखो, रामलखन गंझू, देवपाल मुंडा, दामोदर गंझू, प्रभाकर, सुनील, आनंद, मुकद्दर, शिवनाथ, कैलाश, प्रेम, प्रवेश कुमार आदि उपस्थित थे।

गुरुजी का चले जाना एक युग का अंत : अरुण

बुंडू (आजाद सिपाही)। मंगलवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन को लेकर भारत माता संवर्धन समिति की ओर से भारत माता मंदिर परिसर में एक शोक सभा आयोजित की गयी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए मिनट का मौन रखा गया। भारत माता संवर्धन समिति के सचिव अरुण जैन ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का चले जाना एक युग का अंत है। इस मौके पर प्रमोद कुमार, दिनेश जायसवाल, रोशन महतो, मयंक मिश्रा, सदानंद पाठक, आलोक दास, मोहित नायक, तुलसीदास सहित बुंडू के कई गणमान्य लोग उपस्थित हुए।

शिबू सोरेन को छात्र मोर्चा खूंटी ने दी श्रद्धांजलि

खूंटी (आजाद सिपाही)। झारखंड छात्र मोर्चा, जिला खूंटी ने मंगलवार को शोकसभा आयोजित कर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड आंदोलन के प्रणेता शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता छात्र मोर्चा जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि कमलेश महतो ने की। मौके पर दो मिनट का मैन रख कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी। मौके पर सचिव दोवारी मुंडू, उपाध्यक्ष अभिमन्यु कुमार, अंकित मांझी, सुनील महतो, समीर हीरो, बिरंग तिर्की, कालीचरण मुंडा, विकाश रविदास, प्रीतम, विजय, बादल बड़ाईक आदि मौजूद थे।

गुरुजी के निधन पर डकरा में शोकसभा का आयोजन

खलारी (आजाद सिपाही)। दिशोम गुरु पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर डकरा में कांग्रेस के प्रदेश सचिव इंदिरा देवी के नेतृत्व में श्रद्धांजलि सह शोक सभा का आयोजन किया गया। सभी लोगों ने उनके निधन को झारखंड के लिए अपूर्णीय क्षति बताया। इस श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से खलारी प्रखंड समन्वय समिति के संयोजक राजेश सिंह मिंटू, विधायक प्रतिनिधि मोनू रजक, विक्की सिंह, रमेश चौहान, भोला यादव, संजय राम, वीरेंद्र यादव, मुन्ना देवी, सुमन देवी, सुधा झा, बबीता देवी समेत सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

अधिवक्ताओं ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। अनुमंडल बार एसोसिएसन चांडिल के अधिवक्ताओं द्वारा मंगलवार को बार भवन में झारखंड आंदोलनकारी पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मौके पर बार एसोसियेशन के सचिव महेंद्र कुमार महतो, कमलेश कुमार सिंह, सुभाष चंद्र महतो, संजीव कुमार, अशोक झा, जयदेव महतो, विश्वनाथ कालिंदी, मनोरथ मांझी आदि अधिवक्ता उपस्थित थे।

दिशूम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में तमाड़ प्रखंड के जेएमएम प्रमुख हलधर महतो, श्रीहरि सिंह मुंडा, मानकी जगरनाथ सिंह मुंडा, भागीरथ महतो, भीम महतो इत्यादि कार्यकर्ता नेमरा गये और अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

कार्रवाई : बेड़ो, इटकी, लापुंग और नरकोपी में लूट-चोरी कांड का उद्भेदन

देशी पिस्तौल-कारतूस के साथ दो गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि बेड़ो थाना क्षेत्र के पुरना पानी जंगल के समीप कुछ अपराधी किस्म के व्यक्ति हथियार लहराते बाइक से घूम रहे हैं। लूट -डकैती की घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। उक्त सूचना के सत्यापन के बाद आवश्यक कार्रवाई के लिए बेड़ो के पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार राम के निर्देश पर थाना प्रभारी देवप्रताप प्रधान, इटकी थाना प्रभारी मनीष कुमार, लापुंग थाना प्रभारी अभिषेक कुमार और नरकोपी थाना प्रभारी नागेश्वर साव के नेतृत्व में सशस्त्र बलों के साथ एक टीम का गठन किया गया। इसकी जानकारी देते हुए बेड़ो थाना प्रभारी देवप्रताप प्रधान ने बताया कि बेड़ो, लापुंग, इटकी और नरकोपी पुलिस ने संयुक्त छापामारी अभियान चलाया। हालांकि पुलिस को देखते ही युवकों ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने दोनों को खदेड़कर पकड़ लिया। उनके पास से दो देशी पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस और एक बिना नंबर की बाइक बरामद की है। उनकी पहचान बेड़ो थाना क्षेत्र के रोगाडीह पतराटोली निवासी धीरज उरांव उर्फ रदाम (23) और गुमला जिले के भरनो थाना क्षेत्र के रायकेरा गांव निवासी दिलीप सिंह (19) के रूप में हुई है। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने पिठोरिया, डोरण्डा, बेड़ो, इटकी वऔर लापुंग थाना क्षेत्र में विभिन्न लूट एवं चोरी की घटनाओं का उद्भेदन करते हुए लूट-चोरी की पांच बाइक और एक स्कूटी बरामद किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को मंगलवार को जेल भेज दिया। इस संयुक्त छापामारी में पुलिस निरीक्षक उत्तम उपाध्याय, बेड़ो थाना प्रभारी देवप्रताप प्रधान, इटकी थाना प्रभारी मनीष कुमार, लापुंग थाना प्रभारी अभिषेक कुमार, नरकोपी थाना प्रभारी नागेश्वर साव एवं लापुंग थाना के एसआई सचीन लकड़ा आदि मौजूद थे।

पुलिस की गिरफ्त में लूट-चोरी गिरोह के सदस्य और जब्त चोरी की बाइक।

गुरुजी शिबू सोरेन का निधन झारखंड की राजनीति के एक युग का अंत : प्राचार्य

डीएवी स्कूल में शिबू सोरेन को दी गयी श्रद्धांजलि

बेड़ो (आजाद सिपाही)। डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में मंगलवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। शिबू सोरेन का लंबी बीमारी के बाद सोमवार को दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में निधन हो गया था। उनके सम्मान में स्कूल के शिक्षकों और कर्मचारियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर संवेदनाएं व्यक्त कीं। प्राचार्य कैलाश कुमार ने शिबू सोरेन के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन ने झारखंड को अलग राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। वह हमेशा गरीब, आदिवासी और मूलवासियों के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहे। वहीं स्कूल के सचिव श्रवण कुमार ने बताया कि शिबू सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक सदस्यों में से एक थे और इसके पहले महासचिव भी रहे। उन्होंने विनोद बिहारी महतो के साथ मिलकर पार्टी की स्थापना की थी। उनके निधन को झारखंड की राजनीति के एक युग का अंत माना जा रहा है। श्रवण कुमार ने कहा कि शिबू सोरेन हर झारखंडी के दिल में बसते हैं।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर के दर्शन को उमड़ी लोगों की भारी भीड़

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर को रांची से उनके पैतृक गांव नेमरा ले जाया जा रहा था। बुटी, बीआईटी, विकास, इरबा, चकला, ब्लॉक चौक, ओरमांझी में लोगों ने पार्थिव शरीर ले जा रही गाड़ी को रोक कर श्रद्धांजलि अर्पित की। गाड़ी में बैठे मुख्यमंत्री एवं गुरुजी के बड़े पुत्र हेमंत सोरेन को लोगों ने ढांढस बंधाते हुए उनके साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया। वहीं, चकला में कांग्रेस कार्यकर्ता रमेश उरांव, तुलसी खरवार, उप प्रमुख रिजवान अंसारी, सफीउल्ला अंसारी, हरि मोहन महतो, कौसर अंसारी, कुदूस अंसारी, ब्लॉक चौक में पूर्व सांसद राम टहल चौधरी, पूर्व उप प्रमुख लालू उर्फ जय गोविंद साहू, रणधीर चौधरी, अशोक गुप्ता, डॉ पारस नाथ महतो, प्रो प्रेमनाथ मुंडा, ओरमांझी में मुखिया दीपक बड़ाईक, उप मुखिया संतोष कुमार गुप्ता, सोशल मीडिया प्रभारी शशि मेहता, राजेश गुप्ता आदि के साथ जन मानस पार्थिव शरीर के दर्शन के लिए उमड़ पड़ा। इस मौके पर झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर महतो, सचिव नरेश यादव, आजसू के केंद्रीय सचिव राम धन बेदिया, सुरेंद्र सिंह, विनोद गुप्ता, संजय सिंह, हरे कृष्णा शर्मा, हरे राम शर्मा, अनिल सिंह, नागेंद्र सिंह, शेखर चौधरी, सुधीर मिश्रा आदि शामिल रहे, जिन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित की।

जमीन के छोटे टुकड़े को लेकर दो पक्षों में मारपीट

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के साल्हन गांव में एक भूखंड पर कब्जे को लेकर मंगलवार की सुबह दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गयी। एक पक्ष का आरोप है कि महिलाओं के साथ भी मारपीट और उनसे बदसलूकी का प्रयास किया गया। इस संबंध में दोनों पक्षों की ओर से अनगड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। बताया जा रहा कि सरकारी भूखंड पर चारदिवारी निर्माण एवं सड़क पर जल जमाव को लेकर पहले दो पक्षों में कहासुनी हुई। इसके बाद एक पक्ष पार्वती देवी और उसके पति मनीराम महतो, जबकि दूसरे पक्ष के शिवचरण महतो, दिलेश्वर महतो, अजय महतो, विजय महतो एवं बालेश्वर महतो के बीच जमकर मारपीट हो गई। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

आचार्यकुलम के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित शास्त्रार्थ प्रतियोगिता में लहराया परचम

नामकुम (आजाद सिपाही)। उत्तराखंड के हरिद्वार में राष्ट्रीय स्तर पर शास्त्रार्थ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें पूरे देश के कई विद्यालयों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता हरिद्वार में 31 जुलाई को आयोजित हुआ था। जिसमें आचार्य कुलम नामकुम के आठ बच्चों ने भाग लिया। इनमें से पांच बच्चों ने अपना, अपने परिवार, अपने विद्यालय और प्रदेश का नाम रोशन किया। इस शास्त्रार्थ प्रतियोगिता में सम्पूर्ण गीता पाठ में अक्षिता राज (8) एवं आरोही ने प्रथम स्थान, अष्टावक्र गीता में अभिनीति ने प्रथम स्थान, उपनिषद में सूरज और अक्षत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अक्षिता राज महज 8 साल की बच्ची है और गीता संपूर्ण में प्रथम स्थान प्राप्त करने में न सिर्फ उनके परिजनों, विद्यालय परिवार को बल्कि नामकुम क्षेत्र के लोगों को भी गर्व महसूस हो रहा है। बताते चलें कि अक्षिता राज नामकुम प्रखंड कार्यालय में कार्यरत जन सेवक राजकुमार सिंह और पूजा सिंह की सुपुत्री है। ये सभी बच्चे अपने गुरुजनों के साथ कल गरीब रथ से रांची रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। जहां उनका भव्य स्वागत किया जाएगा।

लापता महिला घर लौटी

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के हेसल गांव निवासी नौशाद अंसारी की पत्नी दरख्शा परवीन मंगलवार को सही सलामत वापस लौट आई। पांच दिन पहले वह अचानक घर से लापता हो गई थी। इसे लेकर नौशाद अंसारी ने अनगड़ा थाना में गुमशुदगी का सनहा दर्ज कराया था। थाना प्रभारी हीरालाल साह ने बताया कि मामला प्रेम प्रसंग का था। पुलिस की दबिश में उसके प्रेमी ने महिला को वापस भेज दिया। पुलिस ने मंगलवार को महिला का बयान दर्ज कर उसे परिजनों को सौंप दिया।

बिरसा पार्क में गुरुजी को दी गयी श्रद्धांजलि

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित बिरसा पार्क में मंगलवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर कांग्रेस की ओर से शोक सभा आयोजित की गयी। इसमें पार्टी के जिला महासचिव शिवदास गोस्वामी विशेष रूप से शामिल हुए। सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दिशोम गुरु के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। वहीं, दिव्यांग रोजगार अधिकार मंच के अध्यक्ष तबरेज अंसारी के नेतृत्व में दिव्यांगजनों ने भी पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर कांग्रेस के जिला ग्रामीण महासचिव शिवदास गोस्वामी ने कहा कि शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष, जनजातीय अधिकारों की लड़ाई एवं झारखंड निर्माण में उनके योगदान को कभी भूलाया नहीं जा सकता। उनका निधन राज्य एवं देश के लिए अपूरणीय क्षति है। शोकसभा में प्रखंड अध्यक्ष एतवा उरांव उपाध्यक्ष जॉन तिग्गा, प्रखड महासचिव छोटेलाल महतो, अजय करमाली, मंडल अध्यक्ष पूर्वी योगेंद्र बेदिया, मंडल अध्यक्ष रज्जाक अंसारी, अनिता देवी, महिला अध्यक्ष सरिता देवी, लीला कुमारी, बिहारी मुंडा, मुनेस लोहरा, साकिर अंसारी, प्रेम उरांव, आलम अंसारी, दूतीलाल बेदिया, सिद्धिक अंसारी सहित अन्य उपस्थित थे।

गुरुजी का था अनगड़ा से गहरा लगाव

अनगड़ा (आजाद सिपाही) दिशोम गुरु शिबू सोरेन का अनगड़ा प्रखंड से काफी लगाव रहा था। झारखंड अलग राज्य आंदोलन एवं महाजनी प्रथा के खिलाफ आंदोलन के दौरान अक्सर कुच्चु पंचायत के बुटगोड़ा में आकर रहते थे। बुटगोड़ा कुच्चु पंचायत क्षेत्र अंतर्गत हुंडरू फॉल के समीप का एक छोटा सा गांव है। यहां उनके परम मित्र बहादुर बेदिया का घर था। वे उनसे मिलने, पुलिस एवं दुश्मनों से बचने के लिए गोला से जंगल के रास्ते से बुटगोड़ा पहुंचते थे। बुटगोड़ा के बुजुर्ग ग्रामीणों ने बताया कि एक बार जब वे तत्कालीन मुख्यमंत्री शिबू सोरेन से मिलने गये थे तो उन्होंने बहादुर बेदिया के बेटे को गले लगा लिया था। शिबू सोरेन के निधन पर पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेंद्र कुमार, सुरेंद्र कुमार महतो, मनोज कुमार चौधरी, डॉ रिझू नायक, रामसाय मुंडा, जिप सदस्य अनुराधा मुंडा, प्रमुख दीपा उरांव, उपप्रमुख जयपाल हजाम, शिवशंकर बेदिया, कांग्रेस के डॉ अमर कुमार चौधरी, एतवा उरांव, राजेन्द्र मुंडा, शिवदास गोस्वामी, झामुमो के मधुसूदन मुंडा, जगेश्वर महतो, अमानुल्लाह अंसारी, रिझुवा मुंडा, दिनेश प्रजापति, हरदयाल मुंडा, मुखिया कृष्णा मुंडा, जयराम महली, दिव्यांग अधिकार मंच के तबरेज अंसारी, लीला कुमारी, हरदयाल सिंह, विमल महतो आदि गहरा ने शोक संवेदना व्यक्त किया है।

अंतिम सोमवारी पर शिव मंदिर में रूद्राभिषेक

नामकुम (आजाद सिपाही)। श्रावण मास की अंतिम सोमवारी पर लालगंज महुआ टोली के शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का भव्य रुद्राभिषेक एवं विशेष पूजन कार्यक्रम का आयोजन पूर्व सैनिक सह भाजपा के रांची ग्रामीण मंत्री संजीत सिंह की अगुवाई में हुआ। धार्मिक आयोजन में मुख्य यजमान के रुप में 11 जोड़ा पति-पत्नी उपस्थित रहे। इस दौरान पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शिवलिंग पर जल, दूध, दही, शहद एवं गंगाजल से अभिषेक किया गया। रात में जागरण के साथ भव्य झांकी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संजीत सिंह परिवार सहित टाटीसिलवे क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग एवं श्रद्धालु शामिल हुए। सभी ने भोलेनाथ से सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। रुद्राभिषेक में हरेराम सिंह, विमल पांडे, रवि राय, दीपक कुमार, एसके सिंह, रामयाद महतो, अमरजीत सिंह, संजय कुमार निराला, लालबाबू सिंह, ललन यादव, धमेंद्र सिंह, राणा प्रताप सिंह, अभय शंकर सिंह, सुनील यादव के साथ ग्रामवासी शामिल थे।

स्वतंत्रता सेनानी की मनायी गयी 20वीं पुण्यतिथि

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड के रामपुर पंचायत अंतर्गत रामपुर बाजार स्थित स्वतंत्रता सेनानी इंटेलीजेंट ग्रुप 2 स्व अमर बानेश्वर राय के आवास पर उनकी 20वीं पुण्यतिथि मनाई गई। जिसमें उपस्थित वक्ताओं ने देश की आजादी में उनके किये गये कार्यों से युवा पीढ़ी को सीख लेने का आह्वान किया। मंगलवार को स्वतंत्रता सेनानी पौत्र समीर राय की अध्यक्षता एवं खिजरी मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा के संचालन में आयोजित पुण्यतिथि कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने स्वतंत्रता सेनानी अमर बानेश्वर राय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कहा कि इन स्वतंत्रता सेनानियों की देन है कि हमसब आज गुलामी की दास्ता से मुक्त होकर आजाद होने का फर्क महसूस कर रहे है। इन स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करना हम सभी का कर्त्तव्य बनता है। इस मौके पर रंजन राय, विक्रम राय, किरण मुंडा, ज्योति राय, हरीश गंझू, सुदर्शन गंझू, रुपेश सिंह, फूलों देवी, सुनील केरकेट्टा, आरती राय, रवि सागर, अनमोल लकड़ा, रवि पासवान, निकिता ओड़ेया, राजू टूटी, बिट्टू सिंह और राजू बनर्जी आदि शामिल थे।

गुरुजी शिबू सोरेन के कारण ही मिली थी महाजनी प्रथा से मुक्ति : लक्ष्मीनारायण

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर आइएनडीआइए गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को ठाकुरगांव में तिवारी कैंपस में स्थित कांग्रेस कार्यालय में शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में वरिष्ठ कांग्रेसी लक्ष्मीनारायण तिवारी ने कहा कि शिबू सोरेन ने झारखंड अलग राज्य और आदिवासियों के उत्थान के अपना पूरा जीवन न्योछावर कर दिया। आज उनकी ही देन है कि हम सब महाजनी प्रथा से मुक्त हो सके। प्रखंड अध्यक्ष बलराम साहू की अध्यक्षता में आयोजित शोक सभा में गोपाल तिवारी, विजय राम, सदन कुमार, उमा पांडेय, विनीता देवी,गीतराम उरांव, सरवर आलम, रामकुमार टाना भगत, चंदन लोहरा, प्रभु यादव, अब्दुल बारी सहित अन्य मौजूद थे।

नगड़ी में राजनीतिक-सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने गुरुजी को दी श्रद्धांजलि

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर नगडी प्रखंड के कई राजनीतिक दलों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के साथ ही गैर सरकारी स्कूलों ने शोक सभा आयोजित कर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। मंगलवार को शोक सभा में आइएनडीआइए गठबंधन के दल झामुमो, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के स्थानीय नेताओं-कार्यकर्ताओं सहित अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं आदि ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि दिशोम गुरु का झारखंड के लिए योगदान और बलिदान हम कभी भूला नहीं पाएंगे। वे गरीब असहाय लोगों के मसीहा थे। उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के हक के हमेशा कार्य किया।

स्तनपान सप्ताह दिवस पर शालिनी अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मां का दूध नवजात के लिए अमृत समान : डॉ अमन सैंकी

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। स्तनपान सप्ताह दिवस के अवसर पर शालिनी अस्पताल, रुक्का में मंगलवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य माताओं में स्तनपान के महत्व को लेकर जागरूकता फैलाना और नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल के प्रति जानकारी प्रदान करना था। इस अवसर पर अस्पताल के स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ अमन सैंकी ने कहा कि मां का दूध शिशु के लिए अमृत समान है, जो सभी आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह शिशु के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने स्तनपान से जुड़ी कई वैज्ञानिक तथ्यों की जानकारी दी और कंगारू केयर जैसे नवजात देखभाल के आधुनिक तकनीकों पर भी प्रकाश डाला। वहीं, शालिनी अस्पताल के वरीय प्रबंधक राणा विकास ने बताया कि हमारे संस्थान में प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की टीम मौजूद है, जो मां और शिशु की समुचित देखभाल सुनिश्चित करती है। साथ ही, समय-समय पर स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है, ताकि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल सकें। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को स्तनपान से जुड़े मिथकों और वास्तविकताओं की जानकारी दी गई और प्रश्नोत्तरी सत्र के माध्यम से उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। इस मौके पर शालिनी अस्पताल के बिजेंद्र दास, शिशिर कुमार भगत, दिलीप मुंडा, सीमा कुमारी, चंपा तिग्गा, लीला सिस्टर, रेणु कुमारी आदि उपस्थित थे।

अक्षेश्वर बाबा का हुआ भव्य श्रृंगार

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के जरिया नहरटोली गांव स्थित अक्षेश्वर बाबा मंदिर में सोमवार को अंतिम सोमवारी को बोल बम के जय घोष के साथ श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ की विशेष पूजा की। जितेंद्र पाठक के नेतृत्व में अक्षेश्वर बाबा के मंदिर में वैदिक मंत्रोचार के साथ श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। जबकि रात में यजमान बासुदेव महतो सपत्नी प्रमिला देवी ने अक्षेश्वर बाबा का भव्य श्रृंगार पूजा किया। इधर, श्रृंगार पूजा के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद एवं भंडारे का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विनय पांडेय, गंदुर गोप, उमेश गोप, अनिल गोप, राजू गोप, बालेश्वर गोप, सुखदेव गोप, सकलु गोप, रामा गोप, बबलू गोप, शिवम और राजा आदि का सराहनीय योगदान रहा।

प्रखंड कांग्रेस कमिटी की मासिक बैठक

बसिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड कांग्रेस कमिटी की मासिक बैठक किसान भवन बसिया में प्रखंड अध्यक्ष बिकास साहू की अध्यक्षता में हुई। बैठक के आरंभ में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया गया। साथ ही बैठक में संगठन का विस्तार करने पर चर्चा की गयी। बैठक में सभी पंचायत अध्यक्ष को निर्देश दिया गया कि 11 अगस्त तक पंचायत कमिटी के गठन कर प्रखंड कमिटी को सूचित करें। बैठक में सभी पंचायत अध्यक्ष एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

घर की दीवार गिरने से महिला की मौत

भरनो (आजाद सिपाही)। भरनो के पुराना अस्पताल के पीछे रहने वाले बिमल बाड़ा के मिट्टी का घर के अंदर पलंग में सो रही उसकी पत्नी अश्रिता बाड़ा और बेटी बबली बाड़ा के ऊपर कच्चा ईंट एवं मिट्टी का दिवाल गिरने से दबकर अश्रिता बाड़ा की दर्दनाक मौत हो गयी, जबकि बबली बाड़ा गंभीर रूप से घायल हो गयी। घटना की सूचना मिलने पर जनप्रतिनिधि कई मुखिया एवं अंचल के कर्मचारी बलराम भगत उसके घर पहुंचे और मृतक के पति को अंचल की ओर से तत्काल 10 हजार रुपये अंतिम संस्कार के लिए दिया गये। घटना अहले सुबह 5 बजे की है। भरनो पुलिस मौके पर पहुंच कर शव अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए गुमला भेज दिया।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर घाघरा के विद्यालयों में शोकसभा

घाघरा (आजाद सिपाही)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं लोकसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन की खबर से पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गयी है। उनके सम्मान में घाघरा प्रखंड के विभिन्न निजी विद्यालयों में शोकसभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विवेकानंद ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल, चिल्ड्रन एकेडमी 10 + 2 स्कूल रन्हे सहित कई विद्यालयों में शिक्षकों, छात्र-छात्राओं एवं प्रबंधन समिति के सदस्यों ने दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय के निदेशक विजय कुमार साहू और भवानी प्रसाद राय ने अपने संबोधन में कहा कि शिबू सोरेन न केवल झारखंड आंदोलन के प्रमुख चेहरों में से एक थे, बल्कि उन्होंने आदिवासी समाज के अधिकारों की लड़ाई में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। वे जन-जन के नेता थे और उनकी कमी को पूरा नहीं किया जा सकता। छात्रों को उनके जीवन और संघर्षों से प्रेरणा लेने की बात कही गयी। शिक्षकों ने शिबू सोरेन के राजनीतिक और सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए एक आदर्श है। शोकसभा के दौरान विद्यालयों में कोई अन्य सांस्कृतिक या शैक्षणिक गतिविधियां नहीं आयोजित की गयी। पूरा माहौल शोकाकुल और भावनात्मक रहा। मौके पर कई शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

जमशेदपुर कलाकार मंच ने गुरु जी को दी श्रद्धांजलि

गुमला (आजाद सिपाही)। जमशेदपुर कलाकार मंच के द्वारा आरती प्रसाद के आवास में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्रदेश महामंत्री सीमा गुप्ता ने कहा कि गुरु जी जैसा आंदोलनकारी, राजनेता सदियों में पैदा होता है। हमने अनमोल हीरा खो दिया है। उनकी असतमा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण किया गया। उपस्थित लोगों ने श्रद्धांजलि दी। मौके पर सुमन कुमार पाठक, उपेंद्र पटेल, शिव पूजन पाण्डेय, अपाई चक्रवर्ती, संजू वर्मा, ज्योति दास, शकुंतला बाग, डिम्पल जायसवाल सहित कई लोग उपस्थित थे।

भाजपा 13 को निकालेगी तिरंगा यात्रा

गुमला (आजाद सिपाही)। हर घर तिरंगा अभियान को लेकर गुमला भाजपा ने एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित की। जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष विनय कुमार लाल ने की। कार्यशाला में मुख्य रूप से अभियान के जिला के प्रभारी गणेश मिश्रा उपस्थित थे। श्री मिश्रा ने कहा कि आज हर घर तिरंगा अभियान सिर्फ अभियान नहीं देशवासियों की आदत बन चुकी है। लोग बड़े शान के साथ अपने-अपने घरों में तिरंगा लगाते हैं और देश के प्रति अपनी राष्ट्र प्रेम को एक दूसरे के साथ मिलकर साझा करते हैं। कहा कि यह अभियान पूरे प्रदेश में 10 से 15 अगस्त तक चलेगा' हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारे देश की सेना का पराक्रम पूरे विश्व ने देखा। पूरा देश आज देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत है। जिला अध्यक्ष विनय कुमार लाल ने कहा आगामी 13 अगस्त को गुमला जिला मुख्यालय में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जायेगी। जिसमें शहर के सभी सामाजिक संस्थाओं और शिक्षण संस्थाओं को सहभागी होने का आग्रह किया। कार्यशाला में सभी मंडलों से आए हुए मंडल अध्यक्ष एवं अभियान के संयोजक और सह - संयोजक शामिल हुए। बैठक का संचालन युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष संदीप प्रसाद ने किया। बैठक की समाप्ति के बाद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन और चैनपुर प्रखंड के भाजपा नेता और सांसद के पूर्व प्रतिनिधि नीरज शर्मा के पिता स्वर्गीय रामानुज शर्मा के दिवंगत आत्मा के लिए 2 मिनट का मौन रख सभा को समाप्त किया गया। मौके पर डॉ दिनेश उरांव, मुनेश्वर साहू, निर्मल गोयल, सुरेश सिंह, भूपन साहू, सागर उरांव, भैरव सिंह खरवार, राधेश्याम कुशवाहा, विजय सिंह पिंटू, बबलू वर्मा, बल्केश्वर सिंह, भिखारी भगत विकास कुमार सिंह, संतोष देवघरिया, प्रकाश नारायण, कर्मपाल सिंह, अशोक साहू, किशोर मिश्रा, हरमीत सिंह, बड़ाईक नवीन सिंह, जगेश्वर सिंह, योगेन्द्र सिंह, सत्यनारायण पटेल, छोटेलाल ताम्रकार, हरिशंकर त्रिपाठी सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शिबू सोरेन का निधन एक युग का अंत : सुनील कुमार

झारखंड आंदोलन के जननायक सह दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की सोमवार चार अगस्त को दिल्ली के एक निजी अस्पताल में निधन होने पर जिला के आरटीआई कार्यकर्ता सुनील कुमार दास ने अपूरणीय क्षति करार देते हुए कहा कि- ₹शिबू सोरेन झारखंड राज्य के ही नहीं अपितु पूरे राष्ट्र में समाज के मुखर व लोगों के चहेते नेतृत्वकर्ता थे। उनके निधन से हम सभी राज्यवासी काफी मर्माहत है।

कार की टक्कर से ऑटो पलटा, दस लोग घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

रायडीह। गुमला रायडीह रोड स्थित जोड़ाजाम के समीप श्रद्धालुओं से भरी ऑटो को एक कार ने टक्कर मार दिया। घटना में ऑटो में सवार 10 श्रद्धालु घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक एक ऑटो में सवार होकर 10 लोग घाघरा के देवाकी धाम और आंजन धाम से पूजा पाठ कर अपने घर लौट रहे थे तभी सोमवार की शाम 7 बजे जोड़ा जाम के समीप सामने से आ रहे कार ने ऑटो को जोड़दार टक्कर मार दिया। घटना बाद ऑटो सड़क पर ही पलट गया। वही कार का शीशा टूट कर चकनाचूर हो गया। लेकिन कार चालक घटनास्थल से गुमला की ओर फरार हो गया। इसके बाद लसडा करम टोली निवासी 22 वर्षीय आरती कुमारी और उसकी बहन 25 वर्षीय गुड़िया कुमारी घायल हो गए।वही डुमरटोली निवासी शंकर राम ललिता देवी व अन्य लोग घायल हो गए। जिनको सदर अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी कर दिया गया। वहीं आरती और गुड़िया का इलाज अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

बसिया (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के कोनबीर उपर चौक में सड़क दुर्घटना में प्यारी देवी की मृत्यु हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक अर्टिगा कार में सिमड़ेगा के श्रद्धालु देवघर से लौट रहे थे इसी दरम्यान कोनबीर में कार ड्राइवर का नियंत्रण खोते हुए उल्टी दिशा में जाकर प्यारी देवी को धक्का मार दिया जिससे प्यारी देवी 70 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गयी जिसे तत्काल इलाज हेतु बसिया रेफरल अस्पताल लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के उपरांत बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया गया लेकिन इलाज हेतु ले जाने के क्रम में कर्रा के समीप उनकी मृत्यु हो गयी। इधर उनकी बेटी जयश्री ने कहा कि अस्पताल में ले जाने के बाद जब उनकी मां को इलाज हेतु रांची रेफर किया गया, लेकिन 108 एंबुलेंस में ऑक्सीजन नहीं होने के कारण एक घंटा लेट से ले जाया गया। जिस एम्बुलेंस में ऑक्सीजन था वो एम्बुलेंस सर्विसिंग के लिए ले जाया गया है। इस संबंध में जिला परिषद सदस्य बसंती डूंगडुंग ने कहा कि रेफरल अस्पताल में मौजूद 108 एम्बुलेंस की हालत दयनीय है साथ ही रेफरल अस्पताल में चिकित्सको की भारी कमी है। रेफरल अस्पताल बसिया अनुमंडल क्षेत्र का एकमात्र अस्पताल है जहां बेहतर इलाज होता है पर वर्तमान में डॉक्टरों की घोर कमी के कारण लोगो को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। वे जल्द इस संबंध में उच्च अधिकारियों से बात कर सुविधा मुहैया कराने की हरसंभव कोशिश करेगी।

16.5 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

घाघरा (आजाद सिपाही)। घाघरा पुलिस ने गांजा के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर मंगलवार को थाना लाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिसई से अरंगी के रास्ते मोटरसाइकिल पर सवार होकर दो युवक आ रहे थे। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली और घोड़ाटांगर के समीप पुलिस ने दोनों युवकों को रोका और जांच किया जिसमें गांजा बरामद किया गया। इस संबंध में थानेदार पुनीत मिंज से पूछने पर उन्होंने कहा गुप्त सूचना के आधार पर दो लोगों को गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया है। गांजा का वजन लगभग 16.5 किलो है। गिरफ्तार किए गए युवक मे छत्तीसगढ़ लोदाम निवासी विकास कुमार साहू व लोहरदगा निवासी मनीष साहू का नाम शामिल है। दोनों पल्सर मोटरसाइकिल में गांजा लेकर आ रहे थे जिसे गिरफ्तार किया गया है आगे की कार्रवाई की जा रही है। यहां बता दें कि बाजार मूल्य के अनुसार गांजा का मूल्य लगभग एक लाख 50 हजार रुपये से अधिक बताया जा रहा है।

शिबू सोरेन के निधन पर पेंशनर समाज ने जताया शोक

गुमला (आजाद सिपाही)। झारखंड की राजनीति के महानायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर जिला पेंशनर समाज ने शोक जाहिर किया है। समाज के जिलाध्यक्ष तेजपाल राम ने कहा कि गुरु शिबू सोरेन आदिवासियों और दलितों के प्रखर हितैषी थे तथा वे आजीवन उनके वाजिब अधिकार के लिए संघर्षरत रहे। उन्होंने कहा कि उनका जाना झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। जिला उपाध्यक्ष महेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से एक युग का अंत हो गया है। झारखंड को अलग प्रांत का दर्जा दिलाने में उनका अहम योगदान रहा है। उनके संघर्ष एवं बलिदान को राज्य सदैव याद रखेगा। शोक व्यक्त करने वालों में महावीर प्रसाद मिश्र, डोमन राम मोची, चन्द्र नाथ प्रसाद, सदाशिव नन्द, दिलीप कुमार गुप्ता, रामकिशोर उरांव, मनोज बड़ाईक, क्यामुद्दीन अली अंसारी, परमानंद भीमकूल, सुरेन्द्र खड़िया, भागी नाग, द्वारिका मिश्र सुमन आदि हैं।

बनइ लागूटोली में हाथी ने घर तोड़ा

बसिया (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के बनई लागूटोली में जंगली हाथी के द्वारा क्लारा डूंगडुंग के घर को सोमवार रात्रि 1 बजे तोड़कर छतिग्रस्त कर दिया गया। हाथी की संख्या एक है और खबर लिखे जाने तक वो बनई जंगल मे ही है। क्लारा डूंगडुंग आर्थिक रूप से कमजोर है और ऐसे में हाथी द्वारा उंसके घर को दोनो तरफ से तोड़ देने से उंसके सामने रहने की विवशता आ गयी है। सूचना मिलने पर घटनास्थल पहुची बनई मुखिया एमलेन कुल्लू ने कहा कि प्रभावित परिवार गरीब तबके से आते है ओर उन्हें सरकारी प्रावधान के अनुसार तत्काल सहायता मिलनी चाहिए, वो हरसंभव मदद करेगी।

कामडारा में झामुमो-कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

कामडारा (आजाद सिपाही)। कामडारा ब्लॉक चौक स्थित झामुमो कार्यालय में मंगलवार को झामुमो एवं कांग्रेस के कार्यकताओं ने संयुक्त रुप से पूर्व सीएम सह झारखंड आंदोलनकारी दिशोम गुरु शिबू सोरेन के दिवगंत आत्मा की शांति को लेकर दो मिनट का मौन धारण किया। वहीं सभी कार्यकर्ताओं ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष अजीत केरकेट्टा ने कहा दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने अलग झारखंड राज्य के लिये जो संघर्ष किया है। वह आज के युवाओं के लिये प्रेरणा का स्त्रोत है। वे एक आंदोलनकारी होने के साथ-साथ एक महान जननायक थे। उसके चले जाने से ऐसा लग रहा है कि हमलोगों ने अपना अभिवावक खो दिया। इस दौरान राजू साहु, अश्विनी ओहदार, सुगड़ तोपनो, अनिल हेमरोम, सुमन सिंह,अमित कंडूलना,राजु साहु, असवनी ओहदार, बिष्णु बडाईक, सिकेंदर साहू,बीपीन बारला,नमन कंडुलना, जोन फैड्रिक तोपनों, एग्नेश तोपनों, अगापीत होरो, फगुआ घोषाल सहित अन्य कार्यकर्ता काफी संख्या में शामिल हुए थे।

टाना भगत हॉल में गुरुजी की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का रखा गया मौन

गुमला (आजाद सिपाही)। सिसई प्रखंड के टाना भगत हॉल में गुरुजी श्री शिबू सोरेन के आत्मा के शांति के लिए 2 मिनट के लिए मौन धारण किया गया गुमला जिला महासचिव सह सिसई प्रखंड पर्यवेक्षक फिरोज आलम ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड निर्माण के मुख्यआंदोलनकारी दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर लोगों ने गहरा शोक जताया झारखंड ही नहीं संपूर्ण भारत में बहुचर्चित आंदोलनकारी के रूप में गुरु जी की पहचान है उन्होंने अपने जीवन को आंदोलन के लिए समर्पित कर दिया। सिसई प्रखंड अध्यक्ष बैबूल अंसारी ने कहा कि झारखंड राज्य के राजनीति के गुर सिखाने वाले गुरु शिबू सोरेन का इस दुनिया से चले जाना बेहद अफसोस जनक है वे राजनीति के क्षेत्र में झारखंड में महापुरुष के नाम से जाने जाते थे हम लोग उनके आंदोलनकारी जीवन से सीख लेते हैं और उनके पद चिन्हों पर चलने का प्रयास करते रहेंगे। मुख्य रूप से उपस्थित जिला महासचिव रामनिवास प्रसाद, जितेंद्र लोहरा, मुकेश कुमार दास, नंदकिशोर उरांव, राजकमल उरांव, खुदी बडाईक, विजय यादव, सोहन लोहार, देवी चरण उरांव, बुद्धेश्वर उरांव, शिव उरांव, रोशन टेटे, सरा उरांव, मोहसिन अंसारी, रकीब अंसारी, मुसलम अंसारी, मोहम्मद नसीम, बुद्धेश्वर उरांव समेत कई लोग उपस्थित रहे।

शिबू सोरेन एक विचारधारा थे : नेल्सन भगत

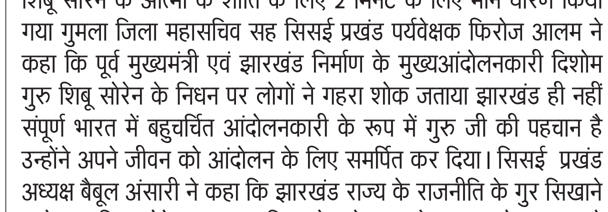

गुमला (आजाद सिपाही)। मंगलवार को स्थानीय सरना पूजा स्थल पालकोट रोड गुमला में आदिवासी समाज के द्वारा झारखंड आंदोलन के अग्रदूत दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन के तस्वीर पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किये। इस निमित्त आना-आदि प्रार्थना और आदिवासी रीति रिवाज से भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। शोक सभा में गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए विश्व आदिवासी आयोजन समिति के अध्यक्ष नेल्सन भगत ने कहा कि झारखंड निर्माण आंदोलन के अग्रदूत दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन का हमारे बीच से जाना अपूरणीय क्षति है, आज झारखंड की अंतर आत्मा कुहक-कुहक कर रो रही है' शिबू सोरेन जी एक विचारधारा थे, उनकी विचारधाराओं को आत्मसात कर चलने की जरूरत है। शिबू सोरेन देह केवल त्यागे हैं। उनकी विचारधाराओं को लेकर हम तमाम आदिवासी लोग आत्मसात कर चलेंगे और उनके अधूरे सपने को साकार करने का हर संभव प्रयास करेंगे। वहीं विश्व आदिवासी दिवस के आयोजन समिति के सह सचिव नरेश उरांव ने शोक सभा में नम आंखों से श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि एक युग का अंत हो गया है हमलोगों ने एक कुशल राजनेता ही नहीं एक अभिभावक भी खोया है। इसी शोक सभा में विश्व आदिवासी दिवस के उपाध्यक्ष विमलचन्द्र बड़ाईक ने कहा कि आज झारखंड की हवा शांत है, जंगल सिसक रहा है, नदियां पहाड़ मौन है, झारखंड अंतरात्मा पूरी तरह से शोक में डूबी हुई है, सारा झारखंड विरान हो गया है।

गुरुजी के निधन पर नेताओं और समाजसेवियों ने जताया शोक

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। पूर्व मुख्यमंत्री और झारखण्ड राज्य निर्माण के मुख्य आंदोलनकारी गुरु जी शिबू सोरेन का निधन कोई सामान्य घटना नहीं। यह राज्य को अभिभावक विहीन कर गया है। गुरु जी की आत्मा की शांति के लिए राज्य का हर शख्स दुआएं कर रहा है। वही गुमला के लोगों ने गहरा शोक जताया है।

आफताब आलम लाडले, प्रसिद्ध समाज सेवी व कांग्रेसी, गुमला : गुरु जी झारखंड ही नहीं, सम्पूर्ण भारत में बहुचर्चित आंदोलनकारी के रूप गुरु जी की पहचान है' उनके पास सिद्धांत पहले और स्वार्थ बाद में आता था। उन्होंने अपने जीवन को आंदोलन के लिए समर्पित कर दिया। उनका निधन सामान्य घटना नहीं है। हमें उनकी तरह अपनी माटी अपने राज्य के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा पैदा करना चाहिए।

आशिक अंसारी, वरिष्ठ कांग्रेसी, गुमला : दिशोंम गुरु के निधन से केवल व्यक्तिगत क्षति नहीं हुई, बल्कि राजनितिक क्षेत्र की नैतिक शक्ति का क्षरण हुआ है। वे हम सबके लिए प्रेरणा के स्त्रोत थे। ठोस निर्णय और मजबूत विचारधारा की सालाहियत रखते थे।

सीता देवी, कांग्रेस नेत्री, सह निवार्तमान वार्ड पार्षद, गुमला: गुरु जी झारखंड की राजनीती के ध्रुव थे। उन्होंने आंदोलन के माध्यम से कई दशकों तक राज्य की सेवा की। उनका जीवन, हम सबके लिए प्रेरणादायक है। उन्हें नमन करती हूं।

रंजीत सिंह, झारखंड मुक्ति मोर्चा गुमला : झारखंड राज्य को राजनीति के गुर सिखाने वाले गुरु शिबू सोरेन का दुनिया से चला जाना बेहद अफसोसजनक है। वह केवल राज्य नहीं बल्कि पूरे भारत में झारखंड की पहचान थे। उनका राजनीतिक सफर संघर्षशील था। उन्होंने झारखंड राज्य के लिए काफी संघर्ष किया। इसके लिए झारखंड की जनता उनका आभारी रहेगी।

मीरा हमीद, जिला अध्यक्ष किसान कांग्रेस, गुमला : गुरुजी बड़े स्वाभिमानी और वादे के पक्के थे। जो कहते थे वह करके दिखा देते थे। राज्य निर्माण का ताना-बाना बुनने से लेकर यहां की राजनितिक सरगर्मी को भांपने की सलाहियत गुरुजी के अंदर कूट-कूट कर भरी हुई थी। हमें उनसेऔर उनके जीवन से सीख लेनी चाहिए।

सत्यनारायण पटेल भाजपा, गुमला : गुरु जी के निधन से होने वाली क्षति हकी भरपाई नहीं की जा सकती है। गुरु जी के सानिध्य में कई बड़े नेताओं ने झारखंड की राजनीति में अपना स्थान बनाया। वह राजनेता नहीं बल्कि राजनेता पैदा करने वाली शख्सियत थे। उनके शोकाकुल परिवार की सांत्वना के लिए और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं।

सुरेश सिंह, भाजपा गुमला : दिशोंम गुरु शिबू सोरेन के जाने से झारखंड वासियों को गहरा दुख हैं। लंबी बीमारी के बाद वो ईश्वर को प्यारे हो गये। उन्होंने अपने लंबे संघर्ष से झारखंड राज्य निर्माण में जो भूमिका अदा की उसे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने महसूस किया और झारखंड को अलग राज्य बनाया। गुरु जी की आत्मा की शांति के लिए विनम्र श्रद्धांजलि।

संतोष गुप्ता जिला महा सचिव कांग्रेस पार्टी, गुमला : गुरु जी का जाना झारखंड की राजनीति और आंदोलन के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति है। उनके जाने से राजनीति का एक बड़ा अध्याय बंद हो गया। हमलोग उनके आंदोलनकारी जीवन से सीख लेते हैं। और उनके पद चिन्हो पर चलने का प्रयास करते हैं' उनका हर कदम झारखंड वासियों के हित के लिए आगे बढ़ा करता था।

ज्योति कुजूर, कांग्रेस पार्टी, गुमला : जब भी झारखंड की राजनीति की बात आयेगी गुरु जी का नाम सबसे उपर लिखा जायेगा। वे राजनीति के क्षेत्र में झारखंड में महापुरुष के रूप में जाने जाते थे। उनकी पहचान जमीन से जुड़े मुद्दों पर आंदोलन करने के कारण हुई है। जो लेखनी आज बंद हो गयी। यह हम सबों के लिए बहुत बड़ी क्षति है। इसकी कमी कभी पूरी नहीं की जा सकती।

उज्जवल केशरी, निवार्तमान वार्ड पार्षद : गुरु जी ने जिस अंदाज से झारखण्ड आंदोलन को संचालित करते हुए एक मिसाल कायम की। वह आज के समय में और भी मूल्यवान है। आज वो हमारे बीच नहीं हैं, मगर उनका जीवन हमारे लिए मिसाल है। उनका जाना अपूरणीय क्षति है।

आरिफ आलम बालो निवार्तमान वार्ड पार्षद : गुरु जी जैसे व्यक्तित्व का प्रभाव केवल शब्दों से बयां नहीं किया जा सकता। उनके अंदर आदिवासी-मुलवासी के लिए एक ज्वाला थी। उनका निधन राज्य की राजनीति में एक खालीपन पैदा कर गया है।

शिशिर गुप्ता अध्यक्ष लायंस क्लब फैमिली, गुमला : गुरु जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने अपने दीर्घ राजनितिक जीवन में निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ राज्य की सेवा की है। गुरु जी आंदोलन क्षेत्र में काफी एग्रेसिव रहे हैं। जन भावना के अनुकूल उन्होंने अलग राज्य का सपना देखा और उसे पूरा भी किया।

गुलाम सरवर, प्रखंड अध्यक्ष, कांग्रेस पार्टी, गुमला : गुरु जी लोगों की समस्याओं को हमेशा समझते थे और उसे दूर करने का प्रयास किया करते थे। लोगों को जागृत कर अनवरत आंदोलन को जारी रखने का हुनर उन्हें आता था। यह निधन एक अपूरणीय क्षति है।

राजेश लोहानी, चेंबर ऑफ कामर्स, गुमला : गुरु जी के निधन से पूरा झारखण्ड मर्माहत है। राज्य के लिए अभिभावक तुल्य थे और उनका मार्गदर्शन हर परिस्थिति में युवा राजनेताओं को मिलता रहता था। उनके निधन से राज्य की राजनितिक शक्ति की क्षति हुई है।

मोख्तार आलम, जिला अध्यक्ष कामगार कांग्रेस, गुमला : गुरुजी का दुनिया से जाना पूरे राज्य के लिए सदमे का सबब है। गुरुजी की हिम्मत जहां चट्टानों जैसी थी वही वाणी में सरलता और दूरदर्शिता उन्हें एक कुशल राजनीतिक और एक हिम्मतवर आंदोलनकारी के रूप में उन्हें पहचान दिलाता था। उनका जाना झारखंड के लिए काफी दुखद है।

दीपनारायण उरांव, निवार्तमान अध्यक्ष, नगर परिषद, गुमला : गुरु हमारे लिए प्रेरणा स्त्रोत थे। राजनीति जगत की यह अपूरणीय क्षति है। वो भारत के नक़्शे में झारखंड को उभारने वाली शख्सियत थे। वह आंदोलन के सहारे समाज के हर वर्ग का आवाज उठाने का कार्य करते रहे। सरल स्वभाव तथा व्यक्तित्व के धनी थे। ईश्वर उन्हें अपने चरणों में स्थान दें।

शैल मिश्रा, भाजपा नेत्री गुमला : गुरु जी विगत कुछ महीनो से बीमार चल रहे थे। जिनका सोमवार को निधन हो गया। आंदोलन का एक दीपक बुझ गया। राजनीति के क्षेत्र पुरे झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है।

दामोदर कसेरा, पूर्व चेंबर अध्यक्ष, गुमला : दिशोम गुरु ने महाजनि व्यवस्था के विरुद्ध बहुत लंबा संघर्ष किया है। झारखंड निर्माण के लिए ऐतिहासिक लड़ाई लड़ी। गुरु जी को राज्यवासी हमेशा बड़े ही आदर के साथ याद करते रहेंगे। इस दुख की घड़ी में मृतक के आश्रितों के प्रति मेरी संवेदना है।

बोंडो पंचायत में मिले पत्थरों पर उकेरे देवी-देवताओं के चित्र, ग्रामीणों में खुशी

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। प्रखंड क्षेत्र के अंतिम छोर पर स्थित बोन्डो पंचायत में जमीन में दबे हुए प्राचीन काल के शिवलिंग और पत्थरों में उकेरे हुए देवी देवताओं के चित्र मिले हैं। जिससे ग्रामीणों में हर्षोल्लास है।

उक्त स्थान पर पांच शिवलिंग मिले हैं वहीं कई छोटे छोटे शिवलिंग बिखरे पड़े हैं साथ ही अनेकों पत्थरों में मां दुर्गा, बजरंग बली, सूर्य भगवान एवं कई देवी देवताओं के चित्र वाले अवशेष मिले हैं जो मुगल शासन काल से पहले के बताए जा रहे हैं।

ग्रामीणों का मानना है कि मुगल काल से पहले यहां मंदिर रहा होगा जिसे मुगलों ने ध्वस्त कर दिये थे। क्योंकि मुगलों ने अपने शासन काल में हिन्दू देवी देवताओं के कई सारे मंदिरों को ध्वस्त कर दिया था। ये अवशेष भी उन्हीं में से एक है।

विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता और समाजसेवी उदय कुशवाहा द्वारा कुछ दिन पहले ग्रामीणों के साथ बैठक कर उक्त स्थान से सभी शिवलिंग और चित्र उकेरे हुए पत्थरों को जमीन से बाहर निकालने एवं उक्त स्थान की साफ सफाई और पूजा पाठ की शुरूआत करने का निर्णय लिया गया था। सभी ग्रामीणों ने मिलकर उक्त स्थान का साफ सफाई किया और श्रावण मास की अंतिम सोमवार को गांव के पाहान रोपना उरांव के द्वारा विशेष रूप से पूजा अर्चना कराने हेतु कलश यात्रा निकाला गया। इस कलश यात्रा में सैकड़ों महिला पुरुष और युवक युवतियों ने भाग लिया।

झारखंड ने एक पुरोधा, जबकि देश ने एक जननायक को खो दिया : वीरेंद्र तिवारी

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी वीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि झारखंड के युगपुरुष, आदिवासी चेतना के अग्रदूत, संघर्षशील जननायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से स्तब्ध हूं। उनके निधन से न केवल झारखंड ने एक पुरोधा खोया है, बल्कि पूरे देश ने एक जननायक खोया है। कहा कि शिबू सोरेन जी का समूचा जीवन समावेशी समाज की स्थापना, झारखंड राज्य के निर्माण के लिए सतत संघर्ष और आदिवासी अधिकारों की रक्षा को समर्पित रहा। उन्होंने न केवल झारखंड की जनता की आवाज को राष्ट्रीय पटल तक पहुंचाया, बल्कि सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का एक नया युग प्रारंभ किया। वे एक ऐसे राजनेता थे जो सदैव जनभावनाओं के करीब रहे और जिनका जीवन सादगी, संघर्ष और सिद्धांतों से परिपूर्ण रहा। बोकारो से उनका विशेष और ऐतिहासिक संबंध रहा है। राज्य निर्माण के आंदोलन में जब झारखंड की आत्मा को पहचान दिलाने की बात आई, तब शिबू सोरेन जी की उपस्थिति बोकारो जैसे औद्योगिक क्षेत्र में भी सामाजिक न्याय और अधिकारों के प्रतीक के रूप में स्थापित हुई। उनके विचार और मूल्य हमारे प्रेरणा और चेतना का स्रोत बने रहेंगे। मैं इस अपूरणीय क्षति पर पुनः गहन शोक व्यक्त करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को चिरशांति प्रदान करें।

गुरुजी शिबू सोरेन को लोग जननेता के रूप में सदैव याद रखेंगे : एके दास

बोकारो (आजाद सिपाही)। झारखंड आंदोलन के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर से बोकारो में शोक की है। ओएनजीसी, सीबीएम एसेट बोकारो के अजय कुमार दास ने गुरुजी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। कहा कि वे प्रारंभ से ही आदिवासी समाज की आवाज रहे। उन्होंने सदैव अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज उठाई। एक जननेता के रूप लोग उन्हें सदैव याद रखेंगे। राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में उनके योगदानों को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता।

दिशोम गुरु के दूरदर्शी नेतृत्व ने पीढ़ियों को आवाज दी, उनकी कमी हमेशा खलेगी : रविश

बोकारो (आजाद सिपाही)। ईएसएल स्टील लिमिटेड के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक रविश शर्मा ने कहा कि हम दिशों गुरु शिबू सोरेन जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। वह एक प्रखर जननेता, जनजातीय अधिकारों के प्रबल पक्षधर और झारखंड राज्य के गठन के पीछे एक प्रेरणादायी शक्ति थे। सामाजिक न्याय, आदिवासी उत्थान और वंचित समुदायों के सशक्तिकरण के लिए उनका जीवन भर का संघर्ष राज्य के इतिहास में अमिट छाप छोड़ गया है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने पीढ़ियों को आवाज दी और झारखंड की पहचान को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ईएसएल स्टील लिमिटेड की ओर से, हम उनके परिवारजनों, अनुयायियों और उन सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं, जो उनके जीवन से प्रेरणा लेते रहे हैं। ईश्वर उनकी पुण्य आत्मा को शांति प्रदान करें।

क्वालिटी सर्किल जागरूकता को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बोकारो (आजाद सिपाही)। नव पंजीकृत क्वालिटी सर्किल टीमों के लिए क्वालिटी सर्किल जागरूकता एवं इससे संबंधित अवधारणा के लिए 'क्वालिटी सर्कल टूल्स' पर एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बिजनेस एक्सीलेंस विभाग की ओ्र से मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र के मेन ऑडिटोरियम में हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीएसएल के वर्क्स और नॉन-वर्क्स डिवीजन के 50 प्रतिभागियों ने में भाग लिया। इसका उद्घाटन महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) अमरेश सिन्हा ने किया। उन्होंने क्यूसी टूल्स और टेक्निक्स के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की। बताया कि किस प्रकार से रोजमर्रा की जिंदगी में इसे अपना कर कार्य दक्षता, समस्या-समाधान और कार्यों और प्रक्रियाओं की समग्र गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्वालिटी सर्कल और संबद्ध अवधारणा तकनीकों, सांख्यिकीय तरीकों से व्यवस्थित प्रक्रिया विश्लेषण और निरीक्षण, समस्या की पहचान, समाधान की अवधारणा और राष्ट्रीय स्तर की क्वालिटी सर्किल प्रतियोगिता के मार्किंग सिस्टम के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन सागरिका साहू, वरीय प्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) ने किया।

रोजगार की मांग को लेकर भाजपाइयों ने दिया धरना

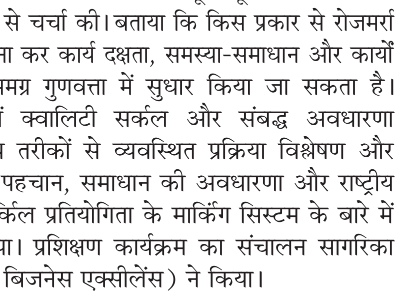

झरिया/जोरापोखर (आजाद सिपाही)। जामाडोबा वाशरी गेट के पास भाजपाइयों ने रोजगार की मांग को लेकर मंगलवार को एक दिवसीय धरना दिया। हाथों में झंडा लेकर प्रबंधन विरोधी नारे लगाये, जिसका नेतृत्व नवीन लाल ने किया। उन्होंने बताया कि झरिया विधायक रागनी सिंह ने कंपनी से मांग की थी कि स्थानीय वाशरी से प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार दे। वर्तमान में वाशरी में ट्रांसपोटिंग कंपनी दूर-दराज के लोगों को लाकर अपना कार्य करवा रही है। इस कारण स्थानीय युवाओं में आक्रोश है। इसी के प्रतिवाद में धरना दिया गया है। यदि कंपनी स्थानीय युवाओं के रोजगार देने की पहल नहीं करती है तो भाजपाई चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस मौके पर उमेश यादव, विकाश कुमार श्रीवास्तव, दुर्गा सोरेन, जगरनाथ महतो, आकाश कुमार, विवेक सिंह, चंदन तांती, पंकज यादव, सूरज कुमार और करण महतो आदि शामिल थे।

रंगदारी ना देने पर फल दुकानदार और उसके भाइ पर जानलेवा हमला

धनबाद के बैंक मोड़ की घटना, थाने में शिकायत के बाद जांच में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

हमलावरों की करतूत दिखाता दुकानदार।

धनबाद। जिले के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र में सोमवार की रात एक फल दुकानदार से रंगदारी मांगने और इनकार करने पर चाकू से जानलेवा हमला किये जाने का मामला सामने आया है। इस घटना में दुकानदार और उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया है। पाण्डरपाला के न्यू इस्लामपुर निवासी पीड़ित मोहम्मद जसीम खान ने पुलिस को बताया कि सोमवार की रात 10.20 बजे उनके पिता ने फोन कर सूचना देते हुए बताया कि दुकान पर कुछ लोग गाली-गलौज और हंगामा कर रहे हैं। जसीम जैसे ही मौके पर पहुंचा, जुमन कुरैशी, मोंटी कुरैशी और मोहम्मद अकबर अंसारी ने उनसे 10 हजार रुपए मासिक रंगदारी देने की मांग की। जसीम के इनकार करने पर आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए जसीम के छोटे भाई मोहम्मद परवेज खान पर लोहे की रॉड और चाकू से वार किया गया। इससे उनके सिर पर गंभीर चोट आई। हमलावरों ने जसीम पर भी चाकू से हमला किया, जिससे उसके बाएं हाथ में गहरी चोट लगी। घटना में दुकान का सामान भी क्षतिग्रस्त हुआ।

प्रतिदिन रंगदारी मांगने का आरोप

पीड़ित मोहम्मद राजद ने बताया कि सलाम कुरैशी का बेटा जुमन कुरैशी और मोंटी द्वारा उन्हें अपमानित किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग प्रतिदिन रंगदारी मांगते हैं। सब्जी पट्टी में 1500 से 2000 रुपए तक जबरन वसूली की जाती है। मोहम्मद राजद ने कहा कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की गई। उन्होंने बताया कि यहां के लोग इनसे काफी परेशान हैं, लेकिन डर के कारण कुछ बोल नहीं पाते। उनका कहना है कि ये लोग इतने बेखौफ हैं कि उन्हें किसी कानून या शासन का भी डर नहीं है। उधर, बैंक मोड़ थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने कहा कि यह आपस में मारपीट का मामला है। पीड़ित द्वारा दिए गए लिखित आवेदन पर रंगदारी और जान से मारने की कोशिश का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंडियों के हित के लिए पूरा जीवन लड़ते रहेः रविंद्र पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

फुसरो/बेरमो। दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में इलाजरत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन का समाचार मिलने पर गिरिडीह के पूर्व सांसद रवींद्र कुमार पांडेय अस्पताल पहुंचकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की और दुःख की इस घड़ी में उन्हें एवं परिवार के लोगों को ढांढस बंधाये। उन्होंने कहा कि गुरु जी झारखण्ड के लोगों के हित एवं आदिवासिओं के पहचान दिलाने के लिए झारखंड राज्य का निर्माण कराया। झारखण्ड के लोगों के हित के लिए पूरा जीवन लड़ते रहे। इस तरह से हमलोगों को छोड़ कर उनका जाना झारखण्ड के लिए अपूर्णीय क्षति है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती है। इस मौके पर पूर्व मंत्री सह पूर्व विधायक मिथिलेश ठाकुर, आप पार्टी के नेता सह राजयसभा सांसद संजय सिंह आदि उपस्थित थे।

झामुमो गोमिया प्रखंड कार्यालय में शोकसभा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गोमिया। झारखंड आंदोलन के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद राज्य भर में शोक की लहर है। गोमिया प्रखंड में आमजनों के अलावा सभी राजनीतिक दलों ने गहरी शोक संवेदना प्रकट की है। इस अवसर पर झामुमो गोमिया प्रखंड कार्यालय में शोकसभा का आयोजन किया गया। इसमें काफी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि उनका संपूर्ण जीवन झारखंड के हक, अधिकार और अस्मिता की लड़ाई को समर्पित रहा है। उनकी दूरदृष्टि, कुशल नेतृत्व और जनसेवा की भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनी रहेगी। उनका निधन झारखंड वासियों के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके परिजनों सहित झारखंड वासियों को ईश्वर यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। इस मौके पर झामुमो बोकारो जिला सह सचिव सह गोमिया विधायक प्रतिनिधि अमित पासवान, छात्र मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष युगल किशोर रजक, प्रखंड कोषाध्यक्ष घनश्याम महतो, प्रखंड उपाध्यक्ष मो असलम, राकोमंस कथारा क्षेत्रीय अध्यक्ष नरेश मंडल, प्रखंड उपसचिव राजू शाह, प्रखंड प्रवक्ता विनोद यादव, बद्री पासवान, पूर्व उपमुखिया चंदन पासवान, गोमिया पंचायत अध्यक्ष रंजीत रविदास, गोमिया पंचायत सचिव ओम प्रकाश कुमार, स्वांग उत्तरी पंचायत अध्यक्ष मो शहजादा, केदार पासवान, देव प्रकाश, कृष्णा सिंह, मंजूर इलाही, उमेश यादव, गोपी यादव, कर्मवीर यादव,नंदन विश्वकर्मा, किरण जयसवाल आदि मौजूद थे।

सदर अस्पताल में महिला का हुआ हिस्टेरेक्टोमी का सफल ऑपरेशन

अत्यधिक रक्तश्राव से परेशानी थी महिला, अब हालात सामान्य

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। सदर अस्पताल में मंगलवार को विंध्यवासिनी देवी नामक 45 वर्षीय महिला का हिस्टेरेक्टोमी (गांठ सहित गर्भाशय निकालना) ऑपरेशन सफलता पूर्वक हुआ। ऑपरेशन के बाद महिला की स्थिति बिलकुल सामान्य है। जानकारी के मुताबिक महिला के गर्भाशय में एक गांठ बन गई थी। जो धीरे-धीरे काफी बड़ी हो गई थी। इस कारण माहवारी के समय महिला को अत्याधिक रक्तश्राव होता था। जिस कारण महिला को रक्त की कमी भी हो गयी थी। मोतीनगर, कार्मिक नगर की रहने वाली महिला ने सदर अस्पताल का रुख करते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ सह सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार से संपर्क किया। डॉ संजीव ने महिला की जांच कर ऑपरेशन कराने की सलाह दी। कहा कि सदर अस्पताल में उनका ऑपरेशन हो जायेगा। इसके बाद खून की कमी को दूर करने के बाद विंध्यवासिनी देवी का ऑपरेशन किया गया। डॉ संजीव कुमार को निश्चेतक डॉ स्वेता गुंजन, सहायक मधुसूदन मरांडी एवं रेखा महतो ने सहयोग किया। डॉ संजीव कुमार ने बताया कि डीसी आदित्य रंजन के प्रयास से सदर अस्पताल अब पहले से काफी अपग्रेड हो चुका है। यहां विभिन्न तरह के नए आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। जिस कारण यहां आने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिदिन औसतन 650 से अधिक मरीज इस अस्पताल में आते हैं।

शिबू सोरेन के निधन पर भाकपा माले ने दी श्रद्धांजलि

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। तालडांगा स्थित भाकपा-माले कार्यालय में मंगलवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा आयोजित की गयी। जिसमें माले कार्यकर्ताओं ने मौन रखकर श्रद्धाजंलि दी। अपने संबोधन में चिरकुंडा के संयोजक भाकपा (माले) के श्रीकांत सिंह ने कहा कि शिबू सोरेन ने जल, जंगल जमीन और महाजनी के विरोध में किये आंदोलन को राज्य की जनता कभी भूला नहीं सकती है। उनके निधन से राज्य की अपूर्णीय क्षति हुई। उनके संघर्ष और क्रांतिकारी जीवन को हमारे साथी हमेशा आत्मसात कर आगे बढ़ेंगी। वहीं, श्रद्धांजलि देने वालों में कामरेड मो इश्तियाक अंसारी, मानिक गोराई, संतू चटर्जी, नागेन्द्र प्रसाद, मनोरंजन मल्लिक, अमरेश चक्रवर्ती, वरुण दे, सुबीर चटर्जी, सतेंद्र महतो, लक्ष्मण प्रसाद, भोला महतो, वरुण गोस्वामी, दीपक सिंह, मोइज खान, विजय यादव, राम नारायण महतो, महेंद्र शर्मा, गौतम बनर्जी, देवाशीष कांजीलाल, मो एकराम मूला, शंखा नील बनर्जी आदि शामिल थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर विभिन्न स्थानों पर शोक सभा आयोजित

डुमरी/बेरमो (आजाद सिपाही)। झारखंड आंदोलन के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े सदस्यों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों ने शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रखंड झामुमो की ओर से करिहारी स्थित पार्टी के प्रधान कार्यालय में शोक सभा आयोजित किया। जहां कार्यकर्ताओं ने गुरुजी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके जीवनी को याद किया गया। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो, डेगलाल महतो, राजकुमार पांडेय, जगदीश महतो, डेगनारायण महतो, संजय वर्मा, राकेश महतो, उमाशंकर राय, समसुदीन अंसारी, पंकज महतो, विजय यादव, रीतलाल मंडल, उमाशंकर राय, सोनू सोहेल, शिवलाल मंडल, मृत्युंजय जायसवाल, उपेन्द्र महतो आदि उपस्थित थे। उधर, अधिवक्ता भवन डुमरी में भी शोक सभा आयोजित कर अधिवक्ताओं ने गुरुजी की आत्मा की शांति की कामना की। दौरान अधिवक्ता इंद्रजीत जयसवाल, अशोक जैन, छत्रधारी महतो, कुमारी अर्चना, विजय कुमार, मुखिया नूरउद्दीन अंसारी, सत्यनारायण सिन्हा आदि उपस्थित थे। दूसरी ओर, पीएनडी जैन उच्च विद्यालय में शोक सभा आयोजित कर दो दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान प्रभारी प्रधानाध्यापिका संगीता जैन, देवेश कुमार देव, रजत जैन, रुपलाल मंडल, सुब्रत कुमार सामंत, दयानंद कुमार, वैभव रानी, संजीव कुमार जैन, एतवारी महतो, रविन्द्र कुमार उपस्थित थे। पारसनाथ दिगंबर जैन मध्य विद्यालय में भी दिशोम गुरुजी को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर प्रधानाध्यापक सुनील कुमार जैन, नेम कुमार जैन, अंकित जैन, अशोक कुमार सिन्हा, राजेश कुमार ठाकुर, विनोद कुमार, शक्ति प्रसाद महतो, जितेंद्र प्रसाद, शिक्षिका ममता कुमारी, मनोरमा कुमारी आदि उपस्थित थे।

बेरमो प्रखंड कार्यालय में गुरुजी को दी गयी श्रद्धांजलि

फुसरो/आइएलएल/बेरमो (आजाद सिपाही)। झारखंड के महान आदिवासी नेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर बेरमो प्रखंड सभागार में शोकसभा आयोजित की गयी। जिसमें बीडीओ मुकेश कुमार सहित कई लोग उपस्थित रहे। बीडीओ ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन का अत्यंत दुखद समाचार मिला। उनकी कमी हम सभी को हमेशा खलेगी। दूसरी ओर, गोमिया थाना परिसर में भी दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। थाना प्रभारी रवि कुमार सहित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने दिशोम गुरु की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। गोमिया थाना के सभी पुलिस कर्मियों ने कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर थाना प्रभारी रवि कुमार ने कहा कि बाबा शिबू सोरेन के संघर्षमयी जीवन, आदिवासी समाज के उत्थान के लिए उनके योगदान और झारखंड राज्य के निर्माण में उनकी ऐतिहासिक भूमिका को याद किया।

माले नेताओं ने दी गुरुजी को श्रद्धांजलि

करगली (आजाद सिपाही)। झारखंड आंदोलन सामाजिक न्याय और आदिवासी अधिकारों के संघर्ष के योद्धा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर भाकपा माले नेताओं ने गहरा शोक संवेदना व्यक्त किया है। भाकपा माले राज्य स्थाई कमेटी के सदस्य भूवनेश्वर केवट, जिला सदस्य दुर्गा सिंह ने निधन की खबर मिलते ही मोरहाबादी आवास और उनके गांव नेमरा जाकर पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। भाकपा माले राज्य कमेटी के सदस्य विकास कुमार सिंह, पेटरवार प्रखंड सचिव पंचानन मंडल, कोल माइंस वर्कर्स यूनियन और माले नेता बालेश्वर गोप, युवा नेता राज केवट, जिला कमिटी सदस्य बालेश्वर यादव, केशव सिंह यादव, बैजनाथ सिंह, गोमिया प्रखंड सचिव सुरेंद्र यादव, जगलाल सोरेन, शोभा देवी, अजय रविदास, सुरेंद्र घासी सहित अन्य नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित किया है। माले नेताओं ने कहा कि गुरुजी झारखंड आंदोलन महाजनी, सूदखोरी और जमीन लूट के खिलाफ समझौता विहीन संघर्ष की उपज हैं। उनका निधन झारखंडी के राजनीति की एक पीढी का अंत है। अलग राज्य दान में नहीं, बल्कि संघर्ष की देन है। 90 के दशक में संयुक्त मोर्चा की ओर से आहूत झारखंड बंद और आर्थिक नाकेबंदी में इनकी चौतरफा तैयारी और मतांतर के बावजूद विभिन्न राजनीतिक दलों को आंदोलन के साथ लेकर जन भागीदारी के जरिए अलग राज्य हासिल करना इनके चमत्कारी कुशल नेतृत्व की ही देन है।

युवा कांग्रेसियों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

डुमरी/बेरमो (आजाद सिपाही)। युवा कांग्रेस ने मंगलवार को अनुमंडल परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिवंगत शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर युवा कांग्रेस के जिला महासचिव गुड्डु मलिक, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर मंडल, कांग्रेस प्रखंड उपाध्यक्ष भुवनेश्वर दास, कांग्रेस महासचिव दीपक जैन, युवा कांग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष कपिल ठाकुर, युवा कांग्रेस प्रखण्ड महासचिव सादिक अली, युवा कांग्रेस प्रखंड सचिव युसूफ अंसारी, छोटू शर्मा, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष खुर्शीद अंसारी, धर्मेंद्र साव, फूलमानी देवी, मंटू कमार, नारायण कमार, सिद्धू कमार, आसिफ अंसारी, शेखावत अंसारी और इकबाल अंसारी आदि उपस्थित थे।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 06 अगस्त, 2025
www.azadsipahi.in

फिलीपींस के राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

हम पसंद से दोस्त, नियति से साझेदार

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत दौरे पर आए फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर से राष्ट्रीय राजधानी नयी दिल्ली में मुलाकात की। साथ ही गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच दोस्ताना और गहरे रिश्तों को आगे बढ़ाने के लिए बातचीत हुई। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भारत और फिलीपींस के बीच सभ्यता, इतिहास और लोगों के बीच मजबूत जुड़ाव पर आधारित पुराने रिश्ते हैं। दोनों नेताओं के बीच हो रही बातचीत का उद्देश्य दोनों देशों की दोस्ती और आपसी सहयोग को और मजबूत करना है। इस मुलाकात से उम्मीद की जा रही है कि भारत और फिलीपींस के संबंध और भी मजबूत होंगे और कई अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा।

भारत-फिलीपींस की मबजूत दोस्ती पर की बात : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से दोस्त हैं और उनकी दोस्ती नियति से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक दोनों देशों को साझा मूल्य जोड़ते हैं। यह दोस्ती केवल पुरानी नहीं बल्कि भविष्य के लिए भी एक मजबूत वादा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और 'महासागर' विजन में फिलीपींस एक महत्वपूर्ण साझेदार है। दोनों देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और नियमों पर आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं। वे अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं।

भारत और फिलीपींस के बीच हर स्तर पर सहयोग जारी : पीएम मोदी ने बताया कि दोनों देशों के बीच हर स्तर पर बातचीत और सहयोग जारी है। आज दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग, क्षेत्रीय मुद्दों और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की। इस बैठक में भारत-फिलीपींस संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाने का फैसला किया गया है। इस साझेदारी को सफल बनाने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना भी बनाई गई है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 3 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। इसे और मजबूत करने के लिए भारत-आसियान फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की समीक्षा पूरी करने और द्विपक्षीय प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट पर काम करने का निर्णय लिया गया है।

दोनों देशों के बीच दिन-ब-दिन मजबूत होते रिश्ते पर दिया जोर : पीएम मोदी ने फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के साथ वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा संबंध दिन-ब-दिन मजबूत हो रहे हैं। दोनों देश समुद्री राष्ट्र हैं, इसलिए समुद्री सहयोग जरूरी और स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना के तीन जहाज फिलीपींस में हो रही नौसेना अभ्यास में भाग ले रहे हैं, जिसमें भारत का हाइड्रोग्राफी जहाज भी शामिल है।

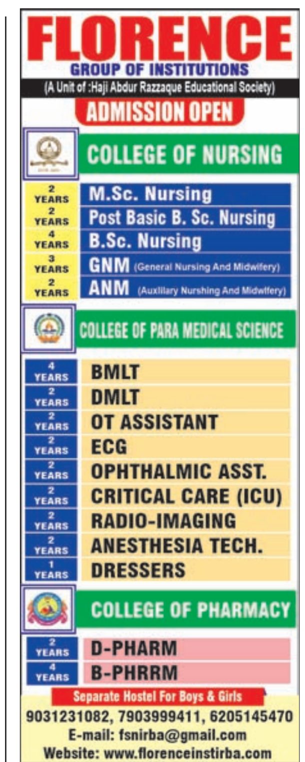

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

- बिहार सहित 4 राज्यों के राज्यपाल रहे, आज ही के दिन उनके कार्यकाल में आर्टिकल-370 हटा था

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया।

उन्होंने दोपहर 1:12 बजे अंतिम सांस ली। सत्यपाल मलिक लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। 11 मई को हालत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे जम्मू-कश्मीर, बिहार, गोवा और मेघालय के राज्यपाल रहे। 2018 में ओड़िशा के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला।

सत्यपाल 23 अगस्त 2018 से 30 अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे। इन्हीं के कार्यकाल के दौरान ही आज ही के दिन 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को हटाया गया था।

चुनाव आयोग ने डाटा सुरक्षा नीति उल्लंघन पर पश्चिम बंगाल के दो इआरओ-एइआरओ को किया निलंबित

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। डाटा सुरक्षा नीति का उल्लंघन करने पर चुनाव आयोग ने कार्रवाई की है। चुनाव आयोग ने इआर डाटाबेस के लॉगिन क्रेडेंशियल साझा करने पर पश्चिम बंगाल के दो इआरओ (निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी) और दो एइआरओ (सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी) को निलंबित कर दिया है। आयोग ने दोनों अफसरों को गंभीर चूक करने, अपने कर्तव्यों का पालन करने में विफल रहने और अनाधिकृत व्यक्तियों के साथ इआर डाटाबेस के अपने लॉगिन क्रेडेंशियल साझा करने का दोषी माना है। चुनाव आयोग के सचिव सुजीत कुमार मिश्रा ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को लिखे पत्र में कहा कि निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी मतदाता सूची की तैयारी और पुनरीक्षण का काम करता है। साथ ही मतदाता सूची की तैयारी, पुनरीक्षण, संशोधन और चुनाव संचालन के वक्त इन अधिकारियों को चुनाव आयोग के अधीन माना जाता है।

उत्तराखंड के धराली में बादल फटा, पूरा गांव बहा ले गया

घर-होटल मलबे में दबे, 4 की मौत

- रेस्क्यू टीम एसडीआरएफ, एनडीआरएफ के साथ आर्मी भी मौके पर पहुंची

आजाद सिपाही संवाददाता

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के धराली में बादल फटने से खीर गंगा गांव बह गया है। घटना मंगलवार दोपहर 1.45 बजे की है। घटना के कई वीडियो और फोटोज सामने आये हैं। इनमें दिख रहा है कि पहाड़ी से बारिश का पानी और मलबा आया और 34 सेकेंड में पूरा गांव बहा ले गया।

उत्तरकाशी के डीएम प्रशांत आर्या ने बताया कि अब तक 4 लोगों की मौत की खबर मिली है। 50 से ज्यादा लोग लापता हैं। कई लोगों के दबे होने की खबर है। धरावी गांव देहरादून से 218 किमी और गंगोत्री धाम से 10 किमी दूर है। रेस्क्यू टीम एसडीआरएफ, एनडीआरएफ के साथ आर्मी भी मौके पर पहुंच गयी है।

पानी का सैलाब देख चीखने लगे : पानी का सैलाब गांव की तरफ आते ही लोगों में चीख पुकार मच गई। कई होटलों में पानी और मलबा घुस गया है। धराली बाजार पूरी तरह तबाह हो गया है। कई होटल दुकानें ध्वस्त हो चुकी हैं। यहां पिछले 2 दिनों से भारी बारिश हो रही है। सीएम धामी ने कहा कि हम हालातों पर नजर बनाये हुए हैं।

वायुसेना और नौसेना ने ब्रह्मोस मिसाइलों का दिया बड़ा ऑर्डर

- इनसे ही ऑपरेशन सिंदूर में तोड़ी पाकिस्तान की कमर

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस मिसाइलों ने अहम भूमिका निभायी थी। अब खबर आयी है कि भारतीय वायुसेना और नौसेना ने ब्रह्मोस मिसाइलों का एक बड़ा ऑर्डर देने जा रही हैं। ब्रह्मोस मिसाइलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अहम भूमिका निभायी थी और पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुंचाया था।

एक शीर्ष रक्षा विशेषज्ञ ने न्यूज एजेंसी एएनआइ को बताया कि रक्षा मंत्रालय की एक उच्च स्तरीय बैठक जल्द होगी, जिसमें बड़ी संख्या में ब्रह्मोस मिसाइलों के अधिग्रहण को मंजूरी दी जायेगी। ये खरीद भारतीय नौसेना के युद्धक जहाजों और भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों के लिए की जायेगी। ब्रह्मोस एक लंबी दूरी की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली है, जिसे जमीन, समुद्र और हवा तीनों जगह से प्रक्षेपित (लॉन्च) किया जा सकता है। ब्रह्मोस को डीआरडीओ, भारत और रूस के एनपीओएम द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**